सब का सपना

निष्पक्ष व निडर - हिंदी दैनिक समाचार पत्र

किदांबी श्रीकांत जर्मन ओपन में भारतीय चुनौती की करेंगे अगुवाइ पेज: 7

'लोका 2 पर कल्याणी प्रियदर्शन ने दिया अपडेट पेज: 8

वर्ष : 01 | अंक : 315 | मंगलवार 24 फरवरी 2026 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 08 | मूल्य: 2 रुपए

वैचारिक आत्मदैन्य से मुक्ति जरूरी: प्रो. संजय द्विवेदी

इंदौर। मातृभाषा उन्नयन संस्थान द्वारा प्रेस क्लब में हिन्दी गौरव अलंकरण समारोह आयोजित किया गया। आयोजन में वर्ष 2026 के हिन्दी गौरव अलंकरण से वरिष्ठ साहित्यकार नर्मदा प्रसाद उपाध्याय व वरिष्ठ पत्रकार श्री अतुल तारे को विभूषित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि हिमाचल प्रदेश के पूर्व राज्यपाल विष्णु सदाशिव कोकजे व अध्यक्षता देवी अहिल्या विवि, इंदौर के कुलगुरु प्रो. राकेश सिंघई ने की। इस मौके पर भारतीय जन संचार संस्थान, नई दिल्ली के पूर्व महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी विशेष अतिथि रहे। स्वागत उद्बोधन डॉ. अर्पण जैन अविचल एवं संचालन डॉ. अखिलेश राव ने किया। हिन्दी गौरव अलंकरण समारोह में काव्य साधकों में नागदा से कमलेश दवे, माण्डव से डॉ. पंकज प्रसून चौधरी, उज्जैन से निशा पण्डित, बड़नगर से पुष्पेंद्र जोशी पुष्प और भोपाल से शिवांगी प्रेरणा को काव्य गौरव अलंकरण प्रदान किया गया।

आपका दर्द असहनीय और भविष्य...चुनाव से पहले पश्चिम बंगाल की जनता के लिए पीएम मोदी का पैगाम

नई दिल्ली एजेंसी: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को पश्चिम बंगाल के लोगों को विधानसभा चुनाव से पहले एक चिट्ठी लिखी। उन्होंने कहा कि राज्य की मौजूदा हालत देखकर वह "बहुत दुखी" हैं। इस साल होने वाले बड़े चुनावों से पहले राज्य में पार्टी के कार्यकर्ता यह चिट्ठी बांट रहे हैं। चिट्ठी में पीएम मोदी ने पश्चिम बंगाल के लोगों को शुभकामनाएं दीं और बताया कि चुनाव के बाद राज्य की किस्मत का फैसला होगा। उन्होंने 'विकसित' पश्चिम बंगाल बनाने का अपना संकल्प भी बताया। सोनार बांग्ला का सपना देखने वाला हर कोई बहुत दर्द में है: पीएम मोदी "जय माँ काली" के साथ चिट्ठी की शुरूआत करते हुए पीएम मोदी ने लिखा कि बस कुछ ही महीनों में पश्चिम बंगाल की किस्मत का फैसला

हो जाएगा। आने वाली पीढ़ी का भविष्य और वह क्या दिशा लेगी, यह आपके सोचे-समझे फैसले पर निर्भर करेगा। आज मेरे सोनार बांग्ला का सपना देखने वाला हर युवा, बुजुर्ग और महिला बहुत दर्द में है। उनकी तकलीफ मेरे दिल को दुखाती है। इसलिए, मैंने अपने दिल की गहराइयों से एक संकल्प लिया है - पश्चिम बंगाल को 'विकसित' और समृद्ध बनाने का संकल्प। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि पिछले 11 सालों में देश के लोगों के आशीर्वाद की ताकत से, एनडीए सरकार ने जनता की भलाई और पूरे विकास को सबसे ज्यादा प्राथमिकता दी है। उन्होंने कहा, "किसानों की भलाई से लेकर युवाओं के सपनों को पूरा करने तक, और महिलाओं को मजबूत बनाने से लेकर समाज के हर तबके तक पहुँचने तक, हमारी नीतियों और

एनडीए सरकार ने जनता की भलाई और पूरे विकास....

प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि पिछले 11 सालों में देश के लोगों के आशीर्वाद की ताकत से, एनडीए सरकार ने जनता की भलाई और पूरे विकास को सबसे ज्यादा प्राथमिकता दी है।

लगातार कोशिशों के अच्छे नतीजे आज साफ दिख रहे हैं।" अपने लेटर में, प्रधानमंत्री मोदी ने ममता बनर्जी की सरकार पर "बहुत ज्यादा असहयोग" का आरोप लगाया और कहा कि राज्य की किस्मत का फैसला कुछ महीनों में हो जाएगा। राज्य सरकार के असहयोग और विरोध के बावजूद, आज पश्चिम बंगाल के करीब 5 करोड़ लोग 'जन-धन योजना' के जरिए बैंकिंग सिस्टम से जुड़ चुके हैं। 'स्वच्छ भारत अभियान' के तहत राज्य में 85 लाख टॉयलेट बनाए गए हैं। जहां राज्य की सत्ताधारी पार्टी गरीबों की रोजी-रोटी छीन रही है, वहीं हमने छोटे व्यापारियों और उद्यमियों को ₹2.82 लाख करोड़ के लोन देकर मदद का हाथ बढ़ाया है। मुझे 'अटल पेंशन योजना' के तहत 56 लाख सीनियर सिटिजन्स को बुढ़ापे में आत्मनिर्भर बनाने का सौभाग्य मिला है। मैं खुद को खुशकिस्मत मानता हूँ कि मैंने 'उज्ज्वला योजना' के जरिए 1 करोड़ से ज्यादा परिवारों को एलपीजी कनेक्शन देकर माताओं और बहनों को धुएं से आजाद किया है। लेटर में कहा गया है कि पश्चिम बंगाल के किसान अपने परिवारों का पेट भरने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, जबकि वे "पूरे देश का पेट भरते हैं"। लेटर में कहा गया है, ऐसे मुश्किल हालात में, मैं खुद को खुशकिस्मत मानता हूँ कि मैंने 'किसान सम्मान निधि' के जरिए 52 लाख से ज्यादा किसानों को सीधे पैसे की मदद देकर उनके चेहरों पर मुस्कान लाई है। उन्होंने आगे कहा कि उन्हें राज्य की हालत देखकर दुख हो रहा है, उन्होंने आजादी के बाद की तेजी के बारे में बताते हुए एक अलग तस्वीर पेश की।

मैक्सिको में 'ड्रग वॉर'! भारतीय दूतावास ने जारी की इमरजेंसी एडवाइजरी, भारतीयों को सुरक्षित स्थानों पर छिपने का आदेश

नई दिल्ली एजेंसी: मैक्सिको के सबसे खूंखार ड्रग माफिया नेमेसियो ओसेगुएरा (एल मेंचो) के सेना द्वारा मारे जाने के बाद पूरे देश में गृहयुद्ध जैसे हालात बन गए हैं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए भारतीय दूतावास ने सोमवार को मैक्सिको में रह रहे सभी भारतीय नागरिकों के लिए एक सख्त 'सुरक्षा चेतावनी जारी की है। दूतावास ने भारतीयों को अगले आदेश तक सुरक्षित स्थानों पर ही रहने और अनावश्यक बाहर न निकलने की हिदायत दी है। मेक्सिको ने रविवार (22 फरवरी, 2026) को कन्फर्म किया कि सैनिकों ने एक ताकतवर ड्रग कार्टेल लीडर नेमेसियो ओसेगुएरा को मार डाला, जो मेक्सिको और यूनाइटेड स्टेट्स में सबसे ज्यादा वांटेड लोगों में से एक था। मेक्सिको में चल रहे

सिक्योरिटी ऑपरेशन और उससे जुड़ी रोड ब्लॉकेज की वजह से, भारतीय दूतावास ने जलिस्को स्टेट (प्यूर्टो वालार्टा, चपाला और ग्वाडलहारा के इलाके), तमाउलिपास स्टेट (रेनोसा और दूसरी म्युनिसिपैलिटी के इलाके), मिचोआकन स्टेट के इलाकों, गुरेरो स्टेट और न्यूवो लियोन स्टेट में रहने वाले भारतीय नागरिकों से सुरक्षित जगह ढूंढने को कहा। मेक्सिको में भारतीय दूतावास ने सोमवार (23 फरवरी, 2026) को मेक्सिको में रहने वाले भारतीय नागरिकों से कहा कि वे मैक्सिकन सैनिकों द्वारा एक टॉप ड्रग कार्टेल लीडर को मारने के बाद हुई हिंसा, रोड ब्लॉक और फ्लाइट कैंसलेशन के बीच अगली सूचना तक पनाह लें। टॉप मैक्सिकन ड्रग कार्टेल लीडर मारा गया मेक्सिको में चल रहे सिक्योरिटी ऑपरेशन और उससे जुड़ी रोड ब्लॉकेज की वजह से, भारतीय दूतावास ने जलिस्को स्टेट (प्यूर्टो वालार्टा, चपाला और ग्वाडलहारा के इलाके), तमाउलिपास स्टेट (रेनोसा और दूसरी म्युनिसिपैलिटी के इलाके), मिचोआकन स्टेट के इलाकों, गुरेरो स्टेट और नुएवो लियोन स्टेट में रहने वाले भारतीय नागरिकों से सुरक्षित जगह ढूंढने को कहा। भारतीय नागरिकों को एम्बेसी ने सलाह दी कि वे लॉ एनफोर्समेंट एक्टिविटी वाले इलाकों से बचें और अपने आस-पास का ध्यान रखें और भीड़ से बचें। उनसे कहा गया कि वे शेल्टर लें और शेल्टर के बाहर गैर-जरूरी मूवमेंट कम से कम करें और अपडेट के लिए लोकल न्यूज देखें। एक्स पर पोस्ट किए गए एक बयान में, भारतीय एम्बेसी ने कहा, लोकल अधिकारियों के निर्देशों का पालन करें और इमरजेंसी में, 911 पर कॉल करें।

ग्वालियर से पांचवां आरोपी गिरफ्तार, भारत मंडपम में 'शर्टलेस' प्रदर्शन पर पीएम मोदी का तीखा प्रहार

नई दिल्ली एजेंसी: भारत मंडपम में आयोजित हाई-प्रोफाइल 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट' के दौरान हुए व्यवधान के मामले में दिल्ली पुलिस ने एक और बड़ी कामयाबी हासिल की है। पुलिस ने इस मामले के पांचवें आरोपी जितेन्द्र यादव को मध्य प्रदेश के ग्वालियर से गिरफ्तार किया है। आरोपी यादव यूथ कांग्रेस का कार्यकर्ता है, जिसे अदालत ने 2 दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया है। अब तक 5 गिरफ्तार, बेल याचिका खारिज इस मामले में पुलिस अब तक कुल पांच आरोपियों को शिकंजे में ले चुकी है। इससे पहले कांग्रेस यूथ विंग के चार अन्य कार्यकताओं- कृष्णा हरि, कुंदन यादव, अजय कुमार और नरसिम्हा यादव- को हिरासत में लिया गया था। शनिवार को पटियाला हाउस कोर्ट ने इन चारों

आरोपियों की जमानत याचिका को खारिज करते हुए उन्हें 5 दिन की पुलिस कस्टडी में भेज दिया था। एआई समिट में कांग्रेस यूथ कार्यकताओं का हंगामा शुक्रवार को नई दिल्ली में इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट में, यूथ कांग्रेस कार्यकताओं के एक ग्रुप ने भारत मंडपम वेन्यू पर एक हाई-प्रोफाइल प्रोटेस्ट किया। प्रदर्शनकारियों ने अपनी शर्ट उतार दी और यूनाइटेड स्टेट्स के साथ ट्रेड एग्रीमेंट का विरोध करने के लिए केंद्र सरकार के खिलाफ नारे लगाए। चश्मदीदों ने बताया कि सुबह के सेशन के दौरान रुकावट तब आई जब प्रदर्शनकारी खड़े होकर चिल्लाने लगे, जिससे समिट हॉल में मौजूद डेलीगेट्स और अधिकारियों का ध्यान उनकी तरफ गया। जब ग्रुप ने अपनी शिकायतें बताईं, तो सिक्योरिटी वाले हालात को कंट्रोल करने की कोशिश करते दिखे। यह विरोध प्रदर्शन पांच दिन के समिट के आखिरी दिन हुआ, जिसमें दुनिया भर के लीडर्स और टेक्नोलॉजी एक्सपर्ट्स ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के डेवलपमेंट और भविष्य पर चर्चा की। पीएम मोदी ने कांग्रेस पर निशाना साधा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यूथ कांग्रेस के कार्यकताओं के विरोध प्रदर्शन पर कांग्रेस पार्टी की कड़ी आलोचना की।

उन्होंने कहा, कांग्रेस ने लगातार पार्लियामेंट में रुकावट डाली है और हंगामा किया है। वे न सिर्फ मेरे लिए नफरत दिखाते हैं बल्कि मेरे परिवार का भी अपमान करते हैं। एआई ग्लोबल समिट में उनके कामों ने सारे नियम तोड़ दिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के अपने सपोर्टर भी उसके कामों से हैरान थे

कर्नाटक कैबिनेट विस्तार से पहले कांग्रेस में घमासान, 31 विधायक ने खड़गे को पत्र लिख मांगा मंत्री पद

नई दिल्ली एजेंसी: कर्नाटक कांग्रेस के 31 नवनिर्वाचित विधायकों ने पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को पत्र लिखकर आगामी मंत्रिमंडल फेरबदल में नए और युवा चेहरों को शामिल करने का आग्रह किया है और इसे समय की आवश्यकता बताया है। राहुल गांधी, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल सहित वरिष्ठ नेताओं को संबोधित इस पत्र में मंत्रिमंडल विस्तार की चर्चा के बीच नवनिर्वाचित विधायकों के लिए मंत्री पद की मांग की गई है। हस्ताक्षरकताओं में मांड्या विधायक रविकुमार गौड़ा गनिगा, विराजपेट विधायक ए.एस. पोन्नन्ना और पावागड़ा विधायक एच.वी. वेंकटेश सहित अन्य विधायक शामिल हैं। पत्र में विधायकों ने इस बात पर प्रकाश डाला कि सिद्धारमैया के नेतृत्व में 34 सदस्यीय मंत्रिमंडल के गठन के समय, कांग्रेस को निर्णायक जनादेश मिलने के बावजूद, किसी भी नव

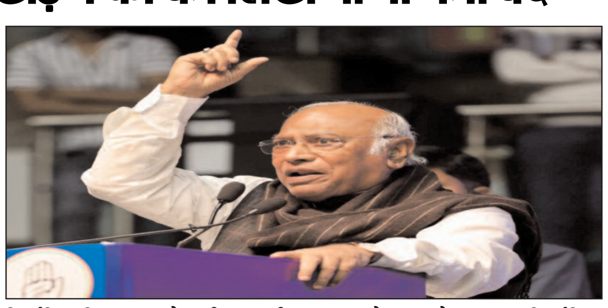

निर्वाचित विधायक को मंत्री पद नहीं दिया गया। पत्र में कहा गया है कि यह समय की मांग है कि युवा, ऊर्जावान और सक्रिय नव निर्वाचित विधायकों को मंत्रिमंडल में मंत्री पद प्राप्त करने का अवसर दिया जाए। विधायकों ने अनुरोध किया है कि जब भी मुख्यमंत्री कांग्रेस हाई कमांड और उपमुख्यमंत्री से परामर्श करके मंत्रिमंडल में फेरबदल करें, तो कम से कम पांच नवनिर्वाचित विधायकों को समायोजित किया जाए। विधायकों ने आगे तर्क दिया कि नवनिर्वाचितों को मंत्री पद की जिम्मेदारियां देना कोई नई बात नहीं है, क्योंकि देश भर में कई राज्य सरकारों का नेतृत्व नवनिर्वाचित विधायकों ने मुख्यमंत्री के रूप में किया है, और कई अन्य को मंत्री पद पर शामिल किया गया है।

कर्नाटक मंत्रिमंडल में फेरबदल की चर्चा काफी समय से चल रही है। मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार पिछले चार महीनों से नई दिल्ली में वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के साथ अलग-अलग और समानांतर बैठकें कर रहे हैं। हालांकि, मंत्रिमंडल में फेरबदल या 34 सदस्यीय मंत्रिमंडल के विस्तार को लेकर अभी तक कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया उज्जैन में ग्रामीण डाक सम्मेलन को करेंगे संबोधित, ग्रामीण डाक सेवकों का करेंगे सम्मान

इंदौर। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री तथा गुना सांसद ज्योतिरादित्य सिंधिया कल उज्जैन एवं इंदौर जिले के प्रवास पर रहेंगे। अपने निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार वे उज्जैन में आयोजित ग्रामीण डाक सम्मेलन को संबोधित करेंगे तथा उत्कृष्ट सेवाएँ प्रदान करने वाले डाक सेवकों का सम्मान करेंगे। इस कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव भी उपस्थित रहेंगे। ग्रामीण डाक नेटवर्क के सशक्तिकरण पर रहेगा फोकस उज्जैन में आयोजित सम्मेलन के दौरान ग्रामीण डाक नेटवर्क को और अधिक सशक्त बनाने, डिजिटल सेवाओं के विस्तार, वित्तीय समावेशन को गति देने तथा आम नागरिकों तक सरकारी सेवाओं की प्रभावी पहुंच सुनिश्चित करने जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। सिंधिया ग्रामीण डाक सेवकों की भूमिका को गांव-गांव तक संचार एवं बैंकिंग सुविधाएं पहुंचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में रेखांकित करेंगे। इंदौर में स्थानीय कार्यक्रमों में सहभागिता उज्जैन प्रवास के उपरांत केंद्रीय मंत्री इंदौर के तिगरिया राव पहुंचेंगे, जहां वे स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लेंगे तथा जनप्रतिनिधियों एवं नागरिकों से संवाद करेंगे। इस अवसर पर क्षेत्रीय विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी चर्चा प्रस्तावित है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का यह प्रवास ग्रामीण डाक सेवाओं के आधुनिकीकरण, डिजिटल सशक्तिकरण और क्षेत्रीय विकास के प्रति केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। विदित रहे कि हाल ही 22 फरवरी को केंद्रीय मंत्री ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के साथ विजयवाडा में आयोजित ग्रामीण डाक सम्मेलन में भाग लिया था।

तमिलनाडु चुनाव से पहले मतदाता सूची में बड़ा फेरबदल, निर्वाचन आयोग ने हटाए 74 लाख नाम

नई दिल्ली एजेंसी: भारत निर्वाचन आयोग ने गहन संशोधन (एसआईआर) पूरा करने के बाद तमिलनाडु की अंतिम मतदाता सूची जारी कर दी है। अद्यतन सूची में दिखाया गया है कि राज्य भर के मतदाता डेटाबेस से 74 लाख से अधिक नाम हटा दिए गए हैं। यह घोषणा तमिलनाडु की मुख्य निर्वाचन अधिकारी अर्चना पटनायक ने चेन्नई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान की। इससे पहले दिन में जिला निर्वाचन अधिकारियों ने भी अपने-अपने जिलों के अद्यतन आंकड़े साझा किए थे। संशोधन प्रक्रिया शुरू होने से पहले, तमिलनाडु में 6.41 करोड़ पंजीकृत मतदाता थे। अद्यतन के बाद, कुल संख्या घटकर 5.67 करोड़ हो गई है। अंतिम आंकड़ों के अनुसार, राज्य में: - 2.77 करोड़ पुरुष मतदाता- 2.89 करोड़ महिला मतदाता- 7,617 तृतीय लिंग मतदाता अधिकारियों ने बताया कि आवेदनों की समीक्षा और आपत्तियों की अवधि के दौरान अभिलेखों के

सत्यापन के बाद ये परिवर्तन किए गए हैं। 19 दिसंबर 2025 से 30 जनवरी 2026 के बीच मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए 43.8 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से सत्यापन के बाद अंतिम मतदाता सूची से 42.3 लाख से अधिक नाम हटा दिए गए। चुनाव आयोग ने बताया कि मतदाता सूची की सटीकता और अद्यतनता सुनिश्चित करने के लिए संशोधन किया गया है। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद, चुनाव आयोग ने पहले अधिकारियों को "तार्किक विसंगतियों" के अंतर्गत सूचीबद्ध नामों को सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित करने का निर्देश दिया था। नागरिकों को जाँच करने और आवश्यकता पड़ने पर आपत्ति दर्ज कराने की सुविधा के लिए ये सूचियाँ ग्राम पंचायत कार्यालयों, वार्ड कार्यालयों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर लगाई गईं। तमिलनाडु उन राज्यों में से एक है जहाँ इस गर्मी में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। केरल, पश्चिम बंगाल, पुडुचेरी और असम में भी इसी अवधि के दौरान चुनाव होने हैं।

तमिलनाडु चुनाव से पहले अभिनेता विजय का दावा- मेरे खिलाफ सभी पार्टियां एकजुट हो गई हैं

नई दिल्ली एजेंसी: तमिलनाडु के लोगों के साथ अपने रिश्ते को "खून-मांस" का बताते हुए, तमिलगा वेट्री कजगम के प्रमुख विजय ने सोमवार को कहा कि ऐसा लगता है कि राज्य में होने वाले विधानसभा चुनावों में सभी पार्टियां उनके खिलाफ एकजुट हो गई हैं। वेल्लोर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, टीवीके प्रमुख ने कहा कि आगामी चुनाव राज्य के लोगों के लिए भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई होगी। विजय ने कहा कि यह ऐसा चुनाव है जो 50 साल में एक बार आता है। इस चुनाव में, सभी विजय का विरोध करने के लिए एकजुट हो गए हैं। यह तमिलनाडु के लोगों के लिए भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग है। राजनीति में आने से पहले आपकी क्या संपत्ति थी? राजनीति में आने के बाद आपकी क्या संपत्ति है? हर राजनेता को इसका जवाब देना चाहिए। अगर आप मेरा अपमान करते हैं, तो यह जनता का अपमान करने जैसा है। विजय और जनता खून-मांस से जुड़े हैं। शासन संबंधी मुद्दों पर प्रकाश डालते हुए, उन्होंने कई पहाड़ी गांवों में बस सेवाओं और अस्पतालों सहित बुनियादी सुविधाओं की कमी की ओर इशारा किया। उन्होंने सत्ताधारी डीएमके सरकार के सुरक्षित रहो मॉडल की आलोचना

करते हुए दावा किया कि महिलाएं वर्तमान में इसे "हम सुरक्षित नहीं हैं मॉडल" के रूप में देखती हैं। टीवीके प्रमुख ने आश्वासन दिया कि उनकी पार्टी की सरकार के तहत कानून व्यवस्था को मजबूत किया जाएगा और महिलाएं, पुरुष और बच्चे सुरक्षित जीवन जी सकेंगे। विजय ने डीएमके के नेतृत्व वाली सरकार पर

तमिलगा वेट्री कजगम प्रमुख विजय ने वेल्लोर में डीएमके सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आगामी चुनाव को भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग और सीधे तौर पर विजय बनाम स्टालिन की लड़ाई बताया। उन्होंने खुद को तमिलनाडु के लोगों से 'खून-मांस' की तरह जुड़ा बताकर अपने अपमान को जनता का अपमान करार दिया।

तमिलनाडु में "नकली आदर्श" प्रशासन चलाने का आरोप लगाया और उन्हें "स्टैंड-अप कॉमेडी" कहकर उनका मजाक उड़ाया। वेल्लोर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए विजय ने कहा कि राज्य में राजनीतिक लड़ाई टीवीके और डीएमके के बीच है। तमिलनाडु ही विजय है, विजय ही तमिलनाडु है पर जोर देते हुए, टीवीके नेता ने असम के पूर्व मुख्यमंत्री डीके बरोआ के प्रसिद्ध कथन का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने कहा था, "भारत ही इंदिरा है, इंदिरा ही भारत है", और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की राजनीतिक विरासत की प्रशंसा की थी। विजय ने कहा कि तमिलनाडु चुनावों में मुकाबला विजय और स्टालिन सर के बीच है। तमिलनाडु ही विजय है, विजय ही तमिलनाडु है। युद्ध टीवीके और डीएमके के बीच है। आज एक नकली आदर्श सरकार है। तमिलनाडु में एक स्टैंड-अप कॉमेडी राज्य सरकार चल रही है। यह चुनाव ऐतिहासिक होगा, और यह एक चमत्कारिक चुनाव होगा। अभिनेता से राजनेता बने विजय ने लोगों से टीवीके के पार्टी चिन्ह "सीटी" को वोट देने का आग्रह किया और कहा कि कोई भी जनता के अधिकार को उनसे छीन नहीं सकता। विजय ने मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पर झूठे वादे करने का आरोप लगाया और वादा किया कि राज्य में उनकी पार्टी की सरकार बनने पर

संपादकीय

कचरे का बोझ

सुप्रीम कोर्ट की इस गंभीर चिंता से सहमत हुआ जा सकता है कि ठोस कचरे का निस्तारण एक पर्यावरणीय मुद्दा मात्र नहीं है बल्कि यह जन-स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था के लिये भी गंभीर चुनौती है। निस्संदेह, जब हम विकसित भारत के व्यापक लक्ष्य हासिल करने की बात करते हैं तो नागरिक जीवन से जुड़ी बुनियादी सुविधाओं का सही ढंग से क्रियान्वयन भी एक अनिवार्य शर्त है। निस्संदेह, देश में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एक बड़ी नागरिक चुनौती बनी हुई है। देश के शहरी व ग्रामीण क्षेत्र, कचरे के पहाड़ों से दबे लैंडफिल, अनुचित अपशिष्ट के अलग-अलग न होने तथा कचरे के प्रभावी निपटान की चुनौती से जूझ रहे हैं। ठोस कचरा निस्तारण से जुड़े नये नियम लागू होने से कुछ सप्ताह पूर्व सुप्रीम कोर्ट ने देश में दशकों पुराने ठोस अपशिष्ट उपचार नियमों के अनुपालन में कोताही को लेकर चिंता व्यक्त की है। अदालत का मानना है कि बढ़ते कचरे का बोझ नागरिक जीवन की सुगमता को प्रतिकूल रूप से प्रभावित कर रहा है। वहीं दूसरी ओर अमृत यानी अटल मिशन फॉर रिजुवेनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन तथा स्मार्ट सिटीज जैसी प्रमुख योजनाओं के क्रियान्वयन में खामियों को उजागर किया है। यही वजह है कि न्यायालय ने समस्या की गंभीरता को महसूस करते हुए नियमों को सख्ती से लागू करने तथा स्थानीय निकायों के निर्वाचित प्रतिनिधियों की जवाबदेही तय करने की बात कही है। सही मायनों में यह समय की भी जरूरत है। दरअसल, शीर्ष न्यायालय ने स्थानीय निकायों और निर्वाचित प्रतिनिधियों मसलन पार्षदों व कॉर्पोरेटरों को दायित्व दिया है कि वे क्षेत्र के नागरिकों में स्वच्छता व ठोस कचरे के निस्तारण हेतु जिम्मेदारी की भावना विकसित करने की पहल करें। जनजागरण से ही विकट होती समस्या के निस्तारण में मदद मिल सकती है। इस दिशा में नरमी की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। प्रारंभिक चरण में दायित्व निर्वहन में विफल रहने पर जुमार्ना विकल्प हो सकता है। वहीं बार-बार नियमों का उल्लंघन करने कानूनी कार्रवाई अपरिहार्य है। निस्संदेह, ऐसे मामलों में शून्य सहिष्णुता स्वच्छता और ठोस कचरे के निस्तारण में प्रभावी भूमिका निभा सकती है। साथ ही लापरवाह अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई करना कर्तव्य की अनदेखी करने पर कड़ा संदेश दे सकती है।

चिंतन-मनन

दु:खी होने की बजाय दुख का उपचार करें

लोगों से अपने सुना होगा कि संसार में दुःख ही दुःख है। असफलता मिलने पर कई बार आप भी यही सोचते होंगे, जबकि वास्तविकता इससे भिन्न है। संसार में दुःख इसलिए है क्योंकि संसार में सुख है। अगर सुख नहीं होता तो दुःख का अस्तित्व भी नहीं होता है। ईश्वर हमें दुःख की अनुभूति इसलिए करवाता है ताकि हम सुख का एहसास कर पाएं, सुख के महत्व को समझें। श्रीमद्भागवद् में कहा गया है कि हमारा हर कर्म सुख पाने के लिए होता है। इसके बावजूद भी जीवन में कई बार हमें दुःख और कष्ट की अनुभूति होती है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि सुख और दुःख धूप-छांव एवं दिन और रात की तरह हैं। हम चाहें न चाहें दुःख को आना है। भगवान राम, श्री कृष्ण, बुध और महावीर को भी दुःख उठाना पड़ा। लेकिन इन महापुरूषों ने दुःख को गले लगाकर नहीं रखा बल्कि दुःख का उपचार किया।

दुःख रात के समान है। रात के अंधेरे को दूर करने के लिए सूर्य जिस तरह निरंतर प्रयास करता रहता है और नियत समय पर रात के अंधकार को पराजित करके दिन का प्रकाश ले आता है, इसी तरह हमें भी दुःख को दूर करने के लिए निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए। दुःख से दुःखी होकर बैठने से दुःख और बढ़ता है लेकिन जब हम समाधान के लिए प्रयास करने लगते हैं तो दुःख का अंधेरा छंटने लगता है।

दुःख से हम जितना डरते हैं दुःख हमें उतना ही डराता है। अगर कोई यह सोचता है कि मृत्यु के बाद दुःख का अंत हो जाता है तो गरूड़ पुराण उसे जरूर पढ़ना चाहिए। गरूड़ पुराण में मृत्यु के बाद प्राप्त होने वाले कष्टों का वर्णन किया गया है। मृत्यु के बाद जीव को और भी कष्ट उठाना पड़ता है क्योंकि वहां तो शरीर भी नहीं होता है जिससे अपने दुःख का उपचार किया जा सकता है। सीता का हरण करके रावण ने राम को दुःख दिया। राम जी ने धैर्य से काम लिया और रावण जो उनके कष्ट का कारण था उसका पता लगाकर उसका अंत किया। पाण्डवों का सारा राज्य कौरवों ने छल से छीन लिया। पाण्डव अगर हाथ पर हाथ रखकर बैठ जाते और दुःख का उपचार नहीं करते तो इतिहास में उनकी वीरता और साहस का बखान नहीं मिलता। इसलिए दुःख से दुःखी होने की बजाय दुःख का उपचार करना चाहिए।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

भारत की खुशहाली और आर्थिक मजबूती का आधार: केंद्रीय उत्पाद शुल्क

दिलीप कुमार पाठक

भारत की आर्थिक प्रगति के पीछे उन हजारों हाथों का योगदान है, जो देश के राजस्व को मजबूत करने के लिए दिन-रात काम करते हैं। इन्हीं प्रयासों को सम्मान देने और आम जनता को कर व्यवस्था के प्रति जागरूक करने के लिए हर साल 24 फरवरी को देश में एक विशेष अवसर के रूप में इस दिन को मनाया जाता है। यह समय हमारे देश की वित्तीय व्यवस्था के लिए एक मील का पत्थर है, क्योंकि इसी दिन साल 1944 में केंद्रीय उत्पाद शुल्क और नमक कानून बनाया गया था। भले ही आज के दौर में टैक्स की प्रणालियां बदल गई हों और जीएसटी ने एक बड़ा स्थान ले लिया हो, लेकिन देश की तरक्की में उत्पाद शुल्क का महत्व आज भी कम नहीं हुआ है। एक आम नागरिक के मन में अक्सर यह सवाल आता है कि आखिर टैक्स चुकाने से उसे क्या मिलता है। इसका जवाब बहुत ही सरल और सुंदर है। जब देश की फैक्ट्रियों में सामान बनता है और उस पर सरकार को शुल्क मिलता है, तो वही पैसा घूमकर समाज के कल्याण के लिए वापस आता है। हमारे गाँव और शहरों को जोड़ने वाली पक्की सड़कें, अंधेरे को दूर करती बिजली की रोशनी, सरकारी अस्पतालों में मुफ्त इलाज और देश की सीमाओं पर तैनात वीर जवानों के आधुनिक हथियार, यह सब उसी कर के पैसे से संभव हो पाता है जो एक जिम्मेदार उद्यमी और नागरिक द्वारा चुकाया जाता है। इस प्रकार, कर का भुगतान करना केवल एक कानूनी काम नहीं है, बल्कि यह सीधे तौर पर राष्ट्र की सेवा करने जैसा है।

इसी संदर्भ में यह समझना भी जरूरी है कि एक मजबूत कर प्रणाली ही देश की आंतरिक सुरक्षा और बाहरी खतरों से निपटने की शक्ति प्रदान करती है। जब सरकार के पास पर्याप्त संसाधन होते हैं, तभी नई तकनीकों और आधुनिक बुनियादी ढांचे पर निवेश किया जा सकता है। यह राजस्व ही है जो आपदाओं के समय राहत कार्य चलाने और देश के करोड़ों गरीब परिवारों तक मुफ्त राशन और जरूरी सुविधाएं पहुँचाने में मदद करता है। बिना मजबूत वित्तीय आधार के कोई भी देश अपने नागरिकों के सपनों को पूरा नहीं कर सकता। इसलिए, उत्पाद शुल्क केवल एक सरकारी उगाही नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय का एक सशक्त माध्यम भी है, जो उद्योगों से कर लेकर समाज के पिछड़े वर्गों के उत्थान में खर्च किया जाता है। समय के साथ सरकारी कामकाज के तरीकों में भी बड़ा बदलाव आया है। आज का दौर डिजिटल क्रांति का है और अब टैक्स चुकाने के लिए दफ्तरों के चक्कर काटने या लंबी कतारों में खड़े होने की जरूरत नहीं रह गई है। सरकार ने पूरी प्रक्रिया को इतना सरल और पारदर्शी बना दिया है कि कोई भी व्यापारी घर बैठे अपना हिसाब-किताब पूरा कर सकता है। इससे न केवल भ्रष्टाचार पर लगाम लगी है, बल्कि व्यापार करने में भी आसानी हुई है। यह समय उन अधिकारियों और कर्मचारियों के परिश्रम को भी सलाम करने का है, जो यह सुनिश्चित करते हैं कि देश का खजाना सुरक्षित रहे और कहीं भी राजस्व की चोरी न हो। इसके साथ ही, हमें यह भी समझना होगा कि कर के माध्यम से एकत्र किया गया धन आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में ईंधन की तरह काम करता है। जब हमारे उद्योग जगत में पारदर्शिता बढ़ती है, तो विदेशी निवेश भी भारत की ओर आकर्षित होता है। यह निवेश न केवल नई फैक्ट्रियां लगाता है, बल्कि देश के लाखों युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर भी पैदा करता है। हमारी आर्थिक नीतियां तभी सफल हो सकती हैं जब राजस्व विभाग और करदाता के बीच विश्वास का एक मजबूत रिश्ता हो। यही विश्वास आने वाले समय में भारत की अर्थव्यवस्था को वैश्विक मंच पर और भी ऊंचा स्थान दिलाएगा।

किसी भी महान राष्ट्र का निर्माण केवल सरकारी नीतियों से नहीं, बल्कि वहां के नागरिकों की ईमानदारी से होता है। जब हम ईमानदारी से टैक्स चुकाते हैं, तो हम भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम बढ़ाते हैं। यह अवसर हमें यही सीख देता है कि हमें अपनी जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा के साथ निभाना चाहिए। कर की चोरी न केवल अपराध है, बल्कि यह देश के विकास की गति को रोकने जैसा है। एक पारदर्शी और मजबूत कर व्यवस्था ही एक स्वस्थ समाज और शक्तिशाली भारत की पहचान है। आज जब भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, तब ऐसी संस्थाओं और व्यवस्थाओं की भूमिका और भी बढ़ जाती है। विकसित भारत का सपना तभी सच होगा जब हर व्यक्ति अपने हिस्से की जिम्मेदारी समझेगा। आइए, आज हम यह संकल्प लें कि हम कर चोरी जैसी बुराइयों को खत्म करने में सहयोग करेंगे और एक ईमानदार करदाता बनकर देश के उज्ज्वल भविष्य की नींव रखेंगे। हमारी छोटी सी ईमानदारी ही कल के समृद्ध भारत की सबसे बड़ी ताकत बनेगी'

मुफ़्त रेवड़ी आवंटन फिक्रमंद अदालत बेफिक्र सरकार?

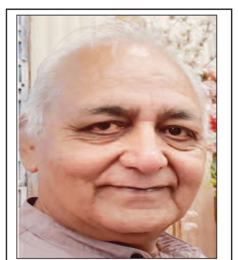

तनवीर जाफ़री

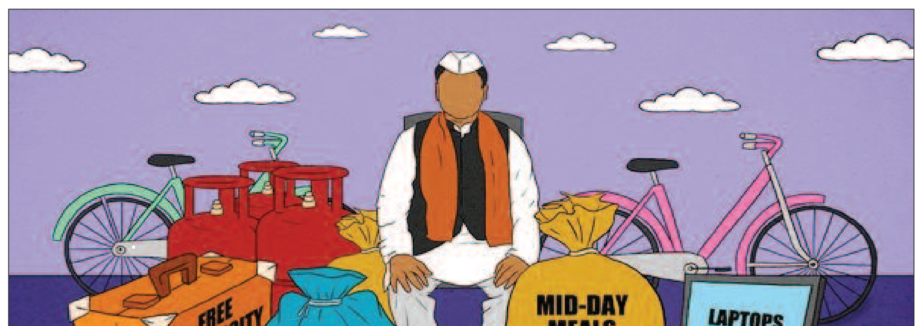

हमारे देश की राजनीति में नेताओं की सत्ता लोलुपता से देश की आर्थिक स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। केंद्र सरकार से लेकर अनेक राज्य सरकारों द्वारा मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के लिये ऐसी ऐसी योजनायें शुरू की गयी हैं जिनका सीधा प्रभाव देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। आज देश के ऐसे कई राज्य जोकि भारी कर्ज और बजट घाटे में होने के बावजूद चुनाव से पहले मुफ़्त बिजली, मुफ़्त राशन, मुफ़्त रसोई गैस आदि बाँट रहे हैं। कहीं बैंक कर्ज मुआफ कर दिया जाता है। यहाँ तक कि अब तो कुछ राज्यों में चुनाव से ठीक पहले मतदाताओं के खातों में नकद धनराशि भी हस्तानांतरित की जा रही है। मतदाताओं को मुफ़्त रेवड़ी बांटने की इस कवायद का दूरगामी प्रभाव यह होता है कि इससे सरकारों के पास विकास कार्यों हेतु व बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए पैसे नहीं बच पाते। परन्तु यह निखट्टू लोगों की राजनीति में सक्रियता का ही परिणाम है कि इन सत्तालोलुप लोगों को केवल मतदाताओं के वोट अपने पक्ष में करने व सत्ता में बने रहने के लिये राज्यों का भारी कर्ज में डूबना भी मंजूर है और राज्य का बजट घाटे में जाना भी स्वीकार है।

परन्तु सत्ता की इसी तरह की गैर जिम्मेदाराना योजनाओं पर देश की उच्च अदालतें कई बार अपनी चिंतायें जाहिर कर चुकी है। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली सर्वोच्च न्यायलय की एक बेंच द्वारा की गयी ऐसी ही एक ताजातरीन तल्ख टिप्पणी गत 19 फरवरी को एक बार फिर सामने आयी जो गैर जिम्मेदार सत्ताधीशों के लिये आँखें खोलने वाली हैं। तमिलनाडु पावर डिस्ट्रीब्यूशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड की एक याचिका पर सुनवाई के दौरान अदालत द्वारा यह टिप्पणी उस समय की गयी जब तमिलनाडु सरकार द्वारा सभी उपभोक्ताओं को मुफ़्त बिजली देने के प्रस्ताव पर चर्चा हो रही थी। इस दौरान सर्वोच्च न्यायलय ने मुख्य रूप से यह कहा कि -कई राज्य पहले से ही भारी कर्ज और बजट घाटे में हैं, फिर भी चुनाव से पहले मुफ़्त बिजली, मुफ़्त राशन , रसोई गैस, कैश ट्रांसफर जैसी मुफ़्त सुविधाएं बांट रहे हैं। इससे विकास और बुनियादी ढांचे के लिए पैसे नहीं बचते। अगर सरकारें लोगों को सुबह से शाम तक सब कुछ मुफ़्त देती रहेंगी, तो लोग काम क्यों करेंगे? इससे काम करने की आदत खत्म हो जाएगी और लोग आलसी बन जाएंगे। गरीबों की मदद करना समझ में आता है, लेकिन अमीर-गरीब में फर्क किए बिना सबको मुफ़्त सुविधाएं देना गलत है। यह एक तरह की तुष्टीकरण नीति है, जो राष्ट्र निर्माण में बाधा डालती है।

इतना ही नहीं बल्कि माननीय अदालत ने सरकार से यह भी पूछा कि आप किस तरह का कल्चर बना रहे हैं? अदालत ने चेतावनी देते हुये कहा कि विकास के लिए एक पैसा भी नहीं बचेगा अगर यह सिलसिला जारी रहा। साथ ही सर्वोच्च न्यायालय ने राज्य सरकारों को रोजगार सृजन पर फोकस करने की सलाह दी, न कि सिर्फ मुफ़्त चीजें बांटने पर। यह सुनवाई के दौरान की गई मौखिक टिप्पणियां थीं, जो फ़्री बीज कल्चर पर कोर्ट की बढ़ती चिंता को दिखाती हैं। पूर्व में भी मुफ़्त रेवड़ी आवंटन को लेकर न्यायालय अपनी चिंतायें जाहिर कर चुकी हैं। 2022-2024 के दौरान भी अदालत ने मुफ़्त की रेवड़ी बांटने को चुनावी लालच देने से जोड़ते हुये कहा था कि यह लोकतंत्र और अर्थव्यवस्था दोनों के लिए नुक़्सानदेह है। अदालत ने यह भी बार-बार कहा कि कल्याणकारी योजनाएं जरूरतमंदों के लिए तो ठीक हैं, लेकिन अनुचित मुफ़्त वादे विकास को रोकते हैं। गोया सर्वोच्च न्यायालय मुफ़्त रेवड़ी कल्चर को न केवल आर्थिक बोझ बता चुका है बल्कि इसे काम की संस्कृति और राष्ट्र निर्माण के खिलाफ भी माना है। यह आलोचना समय-समय पर दोहराई जाती रही है, खासतौर पर तब जबकि राज्य सरकारें चुनावों से पहले ऐसी योजनाएं घोषित करती हैं। केवल अदालतें ही नहीं बल्कि स्वयं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी 2022 में रेवड़ी कल्चर को खतरनाक बता चुके हैं।

यही मुफ़्त रेवड़ी कल्चर गत अक्टूबर 2025 में बिहार विधानसभा चुनावों के दौरान तो अनैतिकता की अपनी सारी हदें पार कर गया। याद रहे कि बिहार विधानसभा चुनाव 2025 का शेड्यूल 6 अक्टूबर 2025 को घोषित हुआ था और उसी दिन चुनाव आचार संहिता भी लागू हो गयी थी। परन्तु चुनाव आचार संहिता की धज्जियाँ उड़ाते हुये बिहार की नितीश सरकार ने अक्टूबर-नवंबर 2025 में कई बार महिलाओं के खातों में 10-10 हजार रुपये डायरेक्ट ट्रांसफर कर दिये। बिहार में मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत चुनाव घोषित होने के बाद भी महिलाओं के खातों में पैसे ट्रांसफर किये जाने पर काफी विवाद भी हुआ था। परन्तु चुनाव पर इसका असर यह हुआ नीतीश कुमार की अगुवाई में एन डी ए ने बिहार के 2025 के विधान सभा चुनाव में बड़ी जीत हासिल की। कई विश्लेषकों ने दावा किया कि महिला मतदाताओं के खातों में 10-10 हजार रुपये डायरेक्ट ट्रांसफर करने के कारण महिलाओं की मतदान दर बढ़ी क्योंकि महिलाओं को इसका सीधे फायदा मिला।

परन्तु विपक्षी दलों ने इसे चुनावी रिश्वत या वोट खरीदने की कोशिश करार दिया था । कुछ सांसदों ने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर शिकायत की थी कि यह चुनाव आचार संहिता का खुला उल्लंघन है और निष्पक्ष चुनाव को प्रभावित करता है। कुछ विपक्षी नेताओं ने इसी रेवड़ी के आधार पर सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की, जिसमें चुनाव को रद्द करने और नए चुनाव कराने की मांग की गई। और इसे संविधान और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 123 (भ्रष्ट आचरण) का उल्लंघन बताया। इसी तरह भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मुफ़्त राशन योजना चलाई जा रही है जो राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के तहत संचालित होती है। यह योजना कोरोना महामारी के दौरान शुरू हुई थी, लेकिन अब इसे स्थायी रूप से विस्तारित कर दिया गया है। सरकारी दावों के अनुसार 1 जनवरी 2024 से अगले 5 वर्षों (यानी दिसंबर 2028 तक) के लिए सरकार ने लगभग 81.35 करोड़ लाभार्थियों को मुफ़्त खाद्यान्न प्रदान करने का फैसला किया है। वर्तमान में लगभग 80 करोड़ लोग इस योजना के तहत मुफ़्त राशन प्राप्त कर रहे हैं। यह दुनिया की सबसे बड़ी खाद्य सुरक्षा योजनाओं में से एक है। आलोचकों का कहना है कि इस योजना से भी जहाँ लोगों में मुफ़्तखोरी की संस्कृति बढ़ेगी वहीँ इस मुफ़्त रेवड़ी का लाभ सत्ता को मिलेगा। बड़ा आश्चर्य है कि आज इस मुफ़्त रेवड़ी आवंटन को लेकर अदालतें तो फिक्रमंद हैं जबकि सरकार पूरी तरह बेफिक्र है?

जाति संघर्ष का सर्वसमावेशी समाधान वक्त की जरूरत

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी के दिशा-निदेर्शों से ना सिर्फ जाति विमर्श केंद्र में आ गया है, बल्कि हिंदू समाज जातीय खांचे में बंटता नजर आ रहा है। आर्थिक और शैक्षिक विकास की वजह से जाति विभाजन की जो रेखाएं मध्यम पड़ने लगी थीं, वे एक बार फिर गहरी होती नजर आ रही है। मंडल आयोग की रिपोर्ट लागू होने के बाद जैसा स्पष्ट विभाजन हिंदू समाज में दिख रहा था, कुछ उसी राह पर एक बार फिर समाज बढ़ता दिख रहा है। जाति के तवे पर राजनीतिक रोटी सेंकने वाले कुछ दल यूजीसी की गाइडलाइन को लागू करने के लिए छात्रों के बीच जाति विमर्श की आंच को हवा दे रहे हैं तो इस गाइडलाइन के विरोध में खड़े सवर्ण समाज के लोग भी अपने समाज के छात्रों को लामबंद करने में प्राणपण से जुटे हुए हैं। मंडल आयोग की रिपोर्ट के बाद जिस तरह नया राजनीतिक विमर्श खड़ा हुआ, जिससे कुछ राजनीतिक दलों और शख्सियतों को उभरने का मौका मिला, कुछ वैसे ही हालात एक बार फिर बनते दिख रहे हैं। अगर यूजीसी गाइडलाइन का सर्वसमावेशी हल नहीं खोजा गया तो हिंदुत्व की राजनीति पर भी असर पड़ सकता है। हिंदू एकता का सपना भी खतरे में पड़ सकता है।

राजनीति के बारे में एक धारणा है। सामाजिक, शैक्षिक और आर्थिक विकास ने जाति विभाजन को जहां कमजोर किया, वहीं राजनीति इसे जिंदा करने में सफल हुई है। सामाजिक यात्रा में पिछड़ी रह गई जातियों के उत्थान के नाम पर राजनीति ने जाति विमर्श को केंद्र में लाने का सबसे बड़ा योगदान विश्वनाथ प्रताप सिंह को जाता है, जिन्होंने देवीलाल के राजनीतिक रसूख को काबू में करने के लिए 1990 में मंडल आयोग की रिपोर्ट पर पड़ी धूल को झाड़ा और उसे लागू कर दिया। पैंतीस साल पहले के उस फैसले ने समाज को बुरी तरह विभाजित कर दिया। मंडल आयोग के खिलाफ तकरीबन समूचा उत्तर भारत धधक उठा था। सवर्ण समुदाय के छात्रों और नौजवानों को अपना भविष्य अंधकारमय नजर आने लगा था। उन्होंने खुद को आग के हवाले करना शुरू कर दिया। विश्वनाथ प्रताप सिंह कविता भी करते थे। कवि को लेकर धारणा है है कि वह कोमल हृदय का स्वामी होता है। लेकिन आग की लपटों के बीच धू-धूकर जवानी को जलती देखकर भी कवि हृदय प्रधान मंत्री नहीं पसीजे थे। उस दौर के शरद यादव सवर्ण समाज के कटु आलोचक और पिछड़ावादी राजनीति के प्रबल पैरोकार के रूप में उभरे। मंडल आयोग की रिपोर्ट से समाज के बीच जो खाई पैदा हुई, बाद की राजनीति ने उसे और ज्यादा चौड़ा और गहरा ही किया है। पिछड़ों को आरक्षण को समाज ने स्वीकार कर लिया था, तभी दूसरे सवर्ण और मनमोहन सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्री अर्जुन सिंह ने साल 2006 में उच्च शैक्षणिक संस्थानों के दाखिले में पिछड़ा वर्ग के छात्रों के लिए आरक्षण की शुरूआत कर दी। इसके विरोध में एक बार फिर युवा राजनीति उभरी। यूथ फॉर इक्वलिटी के बैनर तले दिल्ली में इस फैसले के खिलाफ युवा सड़कों पर उतर पड़े। इस आंदोलन के चलते भी सामाजिक विभाजन बढ़ा। शैक्षणिक संस्थानों के दाखिले में आरक्षण के विरोधी समुदायों और इसके समर्थक समुदायों के बीच एक बार फिर विभाजक रेखा गहरी हुई। इससे भी देश उबर रहा था कि यूजीसी की गाइडलाइन आ गई और फिर से एक बार भारतीय समाज गहरे अंतरद्वंद्व और सामाजिक संघर्ष से जूझने लगा। यह संघर्ष अभी समाज में सीधे तो नहीं दिख रहा, लेकिन विश्वविद्यालयों के परिसर इसके चलते उबल रहे हैं। एक तरफ इस गाइडलाइन के समर्थक हैं तो दूसरी तरफ उसके विरोधी।

आज पिछड़ावाद, दलितवाद, अल्पसंख्यकवाद और महिलावाद का जोर है। इन तबकों के उभार के विचार को सामाजिक न्याय करीब साढ़े तीन दशकों से स्वीकार किया जा रहा है। इन वादों को सामाजिक लोकवृत्त यानी पब्लिक स्फीयर के केंद्र में लाने का विचार समाजवादी राजनीतिक दलों का रहा है, लेकिन इसे मूर्त रूप में लाने वाले कांग्रेसी मूल के राजनेता ही रहे हैं। समाजवादी दलों के ही परोक्ष समर्थन से पहली बार तीस मई 1933 को बिहार के मौजूदा रोहतास जिले के करगहर में त्रिवेणी संघ की स्थापना हुई थी। जिसमें कोइरी यानी कुशवाहा, कुर्मी और यादव जातियों के नेता साथ आए थे और पिछड़ावादी राजनीति की नींव डाली थी। एक तरह से जातिवादी राजनीति की नींव आजादी के पहले ही पड़ गई थी। मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू करते वक्त विश्वनाथ प्रताप सिंह भले ही जनता दल नामक समाजवादी विचारधारा वाले दल के नेता थे, लेकिन महज तीन साल पहले तक वे कांग्रेसी थे। अर्जुन सिंह भी कांग्रेसी ही थे। आज राहुल गांधी भी जाति जनगणना को लेकर उत्साहित नजर आते हैं। पता नहीं राहुल गांधी को पता है या नहीं, अर्जुन सिंह और विश्वनाथ प्रताप सिंह को जानकारी जरूर रही होगी। राहुल गांधी की दादी के पिता और देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू ने 27 जून 1961 को देश के मुख्यमंत्रियों के नाम तीस पैराग्राफ का एक लंबा खत लिखा था। उसके चौबीसवें से छब्बीसवें पैरे में नेहरू ने आज की जाति आधारित आरक्षण को एक तरह से नकार दिया है। उस चिट्ठी में उन्होंने भारत को बनाने को लेकर उनकी जो सोच रही, उसका गहन जिक्र किया है। इस पत्र में नेहरू स्पष्ट रूप से अपने विचार को जाहिर करते हैं। वे आरक्षण आधारित विकास और समाज नहीं चाहते थे, बल्कि ज्ञान केंद्रित समाज का विकास चाहते थे। नेहरू के लिखा था, 'मुझे किसी भी रूप में आरक्षण पसंद नहीं है। खासकर नौकरियों में आरक्षण। मैं ऐसे किसी भी कदम के खिलाफ हूं जो अक्षमता को बढ़ावा देता है और हमें औसत दर्जे की ओर ले जाता है।'

यूजीसी की गाइडलाइन का विरोध कर रहे लोग अगर आज यही बात कहें तो उन्हें सामाजिक न्याय का विरोधी माना जाएगा। मंडल आयोग की रिपोर्ट पर सर्वोच्च न्यायालय का फैसला आने के बाद से जिस तरह का राजनीतिक विमर्श स्थापित हुआ, उसमें सवर्ण समाज अपने लोगों के विकास और आरक्षण विरोध की बात करने की हिम्मत नहीं दिखा पाता था। ऐसा करने से उसे दकियानूस माने जाने का खतरा नजर आता था। इसलिए उसने चुप्पी साधे रखी। लेकिन बाद के वर्षों में एससी-एसटी कानून का सवर्ण समाज के खिलाफ जारी दुरूपयोग ने सामाजिक रूप से आगे माने जाते रहे वर्णों और जातियों को मौका मिला। बाढ़ का पानी जब नाक तक पहुंच जाता था, तब व्यक्ति उससे बचाव के लिए छटपटाने लगता है। सवर्ण समाज के लिए यूजीसी की गाइडलाइन नाक तक पहुंचा बाढ़ का पानी है। उसी पानी से बचाव की छटपटाहट ही है कि गाइडलाइन के खिलाफ समूचे देश के सवर्ण समाज में गहन क्षोभ और गुस्सा नजर आ रहा है। अब सवर्ण समुदाय के नौजवान तर्क देने से हिचक नहीं रहे कि जब पिछड़ावाद हो सकता है, दलितवाद प्रगतिशील विचार हो सकता है, अल्पसंख्यकवाद सामाजिक न्याय का प्रतीक हो सकता है तो ब्राह्मणवाद या सवर्णवाद दकियानूस क्यों? सवर्ण समुदाय के बच्चों का कहना है कि माना कि उनके पूर्वजों ने गलती की तो उसकी सजा हम क्यों भुगतें। ध्यान देने की बात है कि राममंदिर आंदोलन के बाद सवर्ण समाज ने पूरी तरह बीजेपी का दामन थाम लिया। उसे बीजेपी में अपनी दबी भावनाओं की अभिव्यक्ति की राह दिखती रही है। लेकिन यूजीसी की गाइडलाइन से वह भौंचक्क रह गया। यही भौंचक्कापन अब गुस्से के रूप में नजर आ रहा है। सत्ता पर निगाह जमाए बैठे विपक्षी दल पर्दे के पीछे से इस गुस्से को हवा दे रहे हैं। इस पूरी प्रक्रिया में उन्हें पिछड़ा वोटर के बिदकने का खतरा भी नजर आ रहा है, इसी सोच के चलते वे गाइडलाइन के खिलाफ खुलकर कुछ बोलने से बच रहे हैं।

ऐसा नहीं कि बीजेपी में इस आफत की काट नहीं खोजी जा रही होगी। बीजेपी संगठन और सरकार के आलानेता इस जातीय विमर्श को ठंडा करने की कोशिश में जुटे हुए हैं। लेकिन इस समस्या का समाधान ढूंढ़ने में जितनी देर होगी, जाति विमर्श उतना ही बढ़ेगा। अगर सवर्ण समुदाय का गुस्सा ठंडा नहीं हुआ तो आने वाले दिनों में बीजेपी की चुनौतियां बढ़ सकती हैं।

सीएम डैशबोर्ड पर आधारित विकास कार्यक्रमों एवं योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में सीएम डैशबोर्ड पर आधारित विकास कार्यक्रमों एवं योजनाओं, जीरो पॉवर्टी कार्यक्रम, फैमिली आईडी, ई ऑफिस और कैच द रैन अभियान की समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। जिलाधिकारी ने मेगा कैंप लगाकर फैमिली आईडी बनाने के निर्देश दिए। पीएम सूर्य घर योजना में विभागवार प्रगति जानते हुए खराब स्थिति पर नाराजगी जताते हुए सुधार करने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी विभाग निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष अधिक से अधिक रजिस्ट्रेशन कराएं। उन्होंने पीएम सूर्य घर योजना के संबंध में बैंकर्स द्वारा ठीक से कार्य न करने पर कड़ी नाराजगी के साथ फटकार लगाते हुए कार्य प्रणाली में सुधार लाने के निर्देश दिए और उन्हें मीटिंग के बाद मीटिंग हॉल में रुकने के आदेश दिए। उन्होंने जीरो पावर्टी में चयनित परिवारों को

आवास, राशन, पेंशन, आयुष्मान कार्ड और गैस कनेक्शन, दिव्यांगजन पेंशन, वृद्धावस्था पेंशन, कन्या सुमंगला योजना सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर देने के निर्देश दिए। इसके साथ उन्होंने सभी संबंधित विभागों को परिवारों के होने वाले पुनः सत्यापन को अभियान चलाकर शीघ्रता से पूर्ण करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी द्वारा कैच द रेन अभियान के पोर्टल जल संचय जन भागीदारी पोर्टल की समीक्षा की गई स्थल चिह्नित कर रूफटॉप रेन वाटर हार्वेस्टिंग का निर्माण कराया जाये। उन्होंने निर्देश दिए कि समस्त संबंधित विभाग स्थल चयन कर जल संरक्षण संरचनाएं की कार्ययोजना तैयार कर रिपोर्ट उपलब्ध कराएं। निर्देश दिए कि स्वयं से संबंधित पूर्ण कार्यों को जल संचय जन भागीदारी पोर्टल पर आवश्यक रूप से अपलोड करें। निधि गुप्ता वत्स ने निर्देशित किया कि लक्ष्यों को पूर्ण करने में कोई कोताही न बरते और रैंकिंग में सुधार लाएं। जिन विभागों की खराब रैंक आई है वो कारणों को चिन्हित कर दूर करते हुए रैंकिंग में सुधार लाएं। निर्देशित किया कि सभी विभाग समय पर फीडिंग करें।

जिलाधिकारी द्वारा सीएम डैशबोर्ड पर प्रदर्शित हो रही रैंकिंग पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए निर्देश दिए कि खराब रैंकिंग वाले विभाग सुधार लाएं। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर फीड होने वाले समस्त आंकड़ों को समयबद्ध एवं सटीक रूप में अपडेट किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि विकास कार्यों की प्रगति में किसी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे, यह सुनिश्चित करना सभी अधिकारियों की प्राथमिकता होनी चाहिए। जिलाधिकारी ने डिफाल्टर विभाग जिनकी रैंक B, C U D है वे 28 फरवरी को कैम्प आफिस में रिपोर्ट प्रस्तुत करे। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, जिला विकास अधिकारी सरिता द्विवेदी, पीडी डीआरडीए अम्बरीष कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ योगेंद्र कुमार, उप कृषि निदेशक डॉ राम प्रवेश, अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी पुनीत कुमार सहित संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

उत्कृष्ट गौसंरक्षण कार्यों के लिए लखनऊ में डीएम सीडीओ को मिला सम्मान

अमरोहा (सब का सपना):- प्रदेश की राजधानी लखनऊ में स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में उत्तर प्रदेश गौ धन समागम का आयोजन दुग्ध विकास विभाग और पशुपालन विभाग उत्तर प्रदेश द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में प्रदेश के 75 जनपदों में से निराश्रित गौ वंश संरक्षण तथा गौशाला संचालन और प्रबंधन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले 5 जनपदों के जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी और गौशाला संचालक ग्राम प्रधान को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि धर्मपाल सिंह, मंत्री पशुधन एवं दुग्ध विकास द्वारा अपर मुख्य सचिव दुग्ध विकास मुकेश मेश्राम, दुग्ध

आयुक्त धनलक्ष्मी और निदेशक, प्रशासन एवं विकास, पशुपालन विभाग डॉक्टर मेघपाल सिंह की उपस्थिति में अमरोहा की जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स वत्स, सीडीओ अश्वनी कुमार मिश्र, सीवीओ डॉ0 आभा दत्त और अस्थायी गौ आश्रय स्थल डींगरा, ब्लॉक धनौरा की संचालक प्रधान अमीर जहां को स्मृति चिन्ह तथा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। जिलाधिकारी तथा मुख्य विकास अधिकारी राजकीय कार्यों की व्यस्तता के कारण कार्यक्रम में सम्मिलित होने लखनऊ नहीं जा सके उनके सम्मान चिन्ह मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ0 आभा दत्त द्वारा प्राप्त किए गए।

शासन द्वारा नामित टीम ने जिला अस्पताल का किया निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- शासन द्वारा नामित टीम ने जिला अस्पताल का विस्तृत दौरा किया। टीम में डॉ. अमित सिंह, वेद प्रकाश (ए.डी.आर.ओ.) एवं डॉ. अशोक पांडे शामिल थे।इस दौरान टीम ने पूर्व में भेजी गई रिपोर्ट के आधार पर विभिन्न विभागों का गहन निरीक्षण किया। इसमें ओपीडी, लेबर रूम, एस.एन.सी.यू., एम.एन.सी.यू., पीडियाट्रिक वार्ड, आईसीयू, सर्जिकल वार्ड, ट्रॉमा सेंटर तथा नवनिर्मित आईपीएचएल लैब शामिल थे। निरीक्षण टीम ने अस्पताल में भर्ती मरीजों से सीधे बातचीत की और

उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी ली। विशेष रूप से यह पूछा गया कि क्या सुविधाओं के बदले कोई अतिरिक्त शुल्क लिया जा रहा है। मरीजों ने स्पष्ट रूप से बताया कि वे अस्पताल की सुविधाओं से पूरी तरह संतुष्ट हैं और कोई भी शुल्क नहीं लिया जाता।निरीक्षण के दौरान टीम ने अस्पताल की साफ-सफाई व्यवस्था की खूब सराहना की। चिकित्सकों, नर्सिंग स्टाफ एवं अन्य कर्मचारियों की कार्यशैली तथा मरीजों के प्रति उनके मधुर व्यवहार की प्रशंसा की गई। टीम ने मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं की भी मुक्त कंठ से प्रशंसा की।अंत में अधिकारियों ने अस्पताल प्रशासन को निर्देश दिए कि भविष्य में भी इसी स्तर की गुणवत्ता और मरीज-केंद्रित सेवाएं निरंतर जारी रखी जाएं। यह निरीक्षण स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ। अस्पताल में मरीजों की संतुष्टि और पारदर्शिता से स्वास्थ्य विभाग की प्रतिबद्धता झलकती है।

गजरौला क्षेत्र में बस व ट्रक की टक्कर में एक यात्री की मौत, चार अन्य घायल

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के गजरौला थाना क्षेत्र में एक बस व ट्रक की टक्कर में एक यात्री की मौके पर ही मौत हो गई जबकि चार अन्य लोग घायल हो गए। जिनको आनन-फानन में प्राथमिक उपचार देने के बाद हायर सेंटर रेफर किया गया है। बता दें कि यह दुर्घटना रविवार-सोमवार की दरमियानी रात नेशनल हाईवे 9 पर बृजघाट चौकी के पास हुई। तेज रफ्तार ट्रक ने आगे चल रही बस को पीछे से टक्कर मारी, जिससे बस का

पिछला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।मृतक की पहचान लखीमपुर खीरी जिले के ऐरा खमरिया गांव निवासी 27 वर्षीय शिवम वर्मा के रूप में हुई है। वह बस में पीछे की तरफ बैठे थे। हादसे में घायल हुए चार अन्य यात्रियों को पुलिस ने तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां से उनकी गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें हायर सेंटर भेजा गया।पुलिस ने मृतक शिवम वर्मा के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

पीएम हाउस पर मौजूद परिजनों ने बताया कि शिवम उत्तराखंड के हरिद्वार में स्थित रिलेक्सो कंपनी में ऑपरेटर के पद पर कार्यरत थे। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों को अपने कब्जे में ले लिया है और आगे की कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है।

धनौरा में भाजपा विधायक की गाड़ी पर पथराव, पुलिस ने दो को किया गिरफ्तार

मामले में लापरवाही बरतने पर कस्बा चौकी इंचार्ज सहित एसएसआई व सिपाही निलंबित

धनौरा/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के थाना मंडी धनौरा क्षेत्र में भाजपा विधायक राजीव तरारा की गाड़ी पर पथराव किया गया। बताया जा रहा है कि शराब के नशे में धुत दो युवकों ने इस घटना को अंजाम दिया, जिन्हें पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। मामले में लापरवाही बरतने पर पुलिस अधीक्षक (एसपी) ने कस्बा चौकी इंचार्ज, एसएसआई और एक सिपाही को निलंबित कर दिया है ।बता दें कि यह घटना रविवार देर रात की है। क्षेत्रीय विधायक राजीव

तरारा अपने वाहन से धनौरा से अमरोहा की ओर जा रहे थे। रेलवे फाटक के पास पीछे से आ रहे शराब के नशे में धुत दो बाइक सवार युवकों की बाइक विधायक के वाहन से टकरा गई।टकराव के बाद विधायक के चालक और गार्ड ने गाड़ी से उतरकर युवकों का विरोध किया। इसके जवाब में दोनों युवकों ने विधायक की गाड़ी पर पत्थर फेंकने शुरू कर दिए।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों आरोपियों को पकड़कर थाने ले आई।

ये दोनों युवक नांदनौर माफी के निवासी बताए जा रहे हैं और घटना के समय शराब के नशे में थे।इस मामले को गंभीरता से लेते हुए एसपी अमित कुमार आनंद ने कार्रवाई की है। उन्होंने कस्बा चौकी इंचार्ज जुगल किशोर, एसएसआई सतीश मौर्य और लेपर्ड पर तैनात सिपाही अंकुश को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

रविन्द्र सिंह पटेल 27 फरवरी को आएंगे ढवारसी

इरकान अली के आवास पर रोजा इफ़्तार में करेंगे शिरकत

ढवारसी/अमरोहा (सब का सपना):- युवा राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश अध्यक्ष रविन्द्र सिंह पटेल 27 फरवरी 2026 (जुमा) को जनपद अमरोहा के ढवारसी में पधार रहे हैं। इस अवसर पर वे युवा राष्ट्रीय लोकदल अमरोहा के जिलाध्यक्ष इरकान अली के कैंप कार्यालय/आवास, ढवारसी पर आयोजित रोजा इफ़्तार पार्टी में शिरकत करेंगे। यह कार्यक्रम केवल एक इफ़्तार पार्टी नहीं, बल्कि गंगा-जमुनी तहजीब, हिंदू-मुस्लिम एकता,

आपसी भाईचारे और सामाजिक सौहार्द को सुदृढ़ करने का एक सशक्त प्रयास है। कार्यक्रम के माध्यम से समाज में प्रेम, सम्मान और समरसता का संदेश दिया जाएगा, जो हमारे देश और प्रदेश की साझा सांस्कृतिक विरासत की पहचान है। प्रदेश अध्यक्ष का यह आगमन संगठन के कार्यकताओं एवं युवाओं में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार करेगा तथा संगठन की मजबूती और एकजुटता को और अधिक सशक्त बनाएगा।

युवा राष्ट्रीय लोकदल अमरोहा के समस्त पदाधिकारियों, कार्यकताओं एवं सम्मानित नागरिकों से अनुरोध है कि अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाएं और भाईचारे व एकता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने में सहयोग करें।

होली से पूर्व वेतन भुगतान को लेकर प्राथमिक शिक्षक संघ ने सौंपा ज्ञापन

गंगेश्वरी/अमरोहा (सब का सपना):- उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की ब्लॉक इकाई ने आगामी होली के त्योहार को देखते हुए शिक्षकों के समयबद्ध वेतन भुगतान की मांग उठाई है। सोमवार, को संघ के पदाधिकारियों ने वित्त एवं लेखाधिकारी (बेसिक) को संबोधित एक मांग पत्र खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में सौंपा। ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह के नेतृत्व में शिक्षक प्रतिनिधिमंडल ने खण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय पहुंचकर अपनी मांगें रखीं। ब्लॉक अध्यक्ष रामवीर सिंह ने बताया कि मार्च के पहले

सप्ताह में होली का प्रमुख त्योहार पड़ रहा है। शिक्षकों के सामने त्योहार की तैयारियों और घरेलू खर्चों को लेकर आर्थिक चुनौतियां खड़ी हो जाती हैं। ऐसे में यदि वेतन में विलंब होता है, तो शिक्षकों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ेगा।खण्ड शिक्षा अधिकारी की अनुपस्थिति में संघ के पदाधिकारियों ने वरिष्ठ लिपिक जयपाल सिंह एवं कार्यालय सहायक राहुल सागर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में स्पष्ट रूप से अनुरोध किया गया है कि माह फरवरी का वेतन होली के अवकाश से कम से कम 3--4 दिन पूर्व शिक्षकों के बैंक खातों में स्थानांतरित कर दिया जाए, ताकि सभी शिक्षक हर्षोल्लास के साथ त्योहार मना सकें। इस अवसर पर मुख्य रूप से बिजेंद्र सिंह एकाउंटेंट, संजय सिंह प्रचार मंत्री,जगवीर सिंह, अनुज आजाद, लोकेश कुमार, मदनपाल ,शशिकांत सिंह, हिरदेश वर्मा, फैजान हस्मत,रूपेन्द्र सिंह आदि।

प्रेमजाल में फंसाकर युवती से दुष्कर्म, पंचायत के बाद युवक के परिजनों ने किया शादी से इनकार

अमरोहा। गांव की युवती को प्रेमजाल में फंसा लिया तथा शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया। बाद में पंचायत हुई तो शादी करने की सहमति बनी। परंतु प्रेमी को स्वजन ने बाहर भेज कर शादी से इनकार कर दिया। आरोपित के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। यह मामला नौगावां सादात थाना क्षेत्र के एक गांव का है। यहां रहने वाले किसान की बेटी का आरोप है कि एक साल पहले गांव के ही युवक तस्लीम आरिफ ने उसे प्रेमजाल में फंसा लिया था। दोनों की मोबाइल पर बात होने लगी। एक दूसरे से मुलाकात का सिलसिला शुरू हुआ तो तस्लीम आरिफ ने युवती को शादी का झांसा दिया। आरोप है कि 16 जनवरी की सुबह उसने काल कर युवती को अपने घर बुला लिया। उस समय आरोपित के घर कोई नहीं था। उसने जल्दी ही शादी करने की बात कही तथा युवती के साथ दुष्कर्म किया। परंतु बाद में उसने शादी से इन्कार कर दिया। इस मामले को लेकर पीड़ित ने स्वजन को बताया। लिहाजा 5 फरवरी को गांव में जिम्मेदार लोगों की पंचायत हुई। जिसमें तस्लीम आरिफ व उसके स्वजन ने शादी की हामी भर ली। परंतु स्वजन ने प्रेमी को गांव से बाहर किसी दूसरे शहर में भेज दिया। उन्होंने शादी करने से इन्कार कर दिया। इस मामले में पीड़िता ने कोतवाली में तहरीर दी थी। प्रभारी निरीक्षक बालेन्द्र कुमार ने बताया कि आरोपित तस्लीम आरिफ के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर ली है। मामले की जांच की जा रही है।

जिला कृषि रक्षा अधिकारी ने राष्ट्रीय नाशीजीव निगरानी कार्यशाला की आयोजित

अमरोहा (सब का सपना):- मेरठ में 20 फरवरी 2026 को सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में जिला कृषि रक्षा अधिकारी मनोज कुमार द्वारा राष्ट्रीय नाशीजीव निगरानी कार्यशाला आयोजित की गई। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में कृषि विभाग के अधिकारियों और किसानों को राष्ट्रीय नाशीजीव निगरानी प्रणाली (NPSS) की विस्तृत जानकारी दी गई। यह AI- आधारित ऐप किसानों को फसल में लगे कीट-रोग की फोटो भेजकर तुरंत पहचान और नियंत्रण के उपाय प्राप्त करने की सुविधा प्रदान करता है। किसानों से अपील की गई कि वे अपने मोबाइल में NPSS ऐप डाउनलोड करें और इसका लाभ उठाएं, जिससे समय पर कीट प्रबंधन संभव हो और फसल उत्पादन बढ़े।इसके साथ ही, भारत सरकार के पत्र क्रमांक 22 (दिनांक 14 जनवरी 2026) और अपर

कृषि निदेशक उत्तर प्रदेश के पत्र संख्या 2269 (दिनांक 20 फरवरी 2026) के निर्देशानुसार जनपद में अपंजीकृत येलो फॉस्फोरस की बिक्री पूरी तरह प्रतिबंधित कर दी गई है। सभी कीटनाशक विक्रेताओं को सख्त हिदायत दी गई है कि वे इसका विक्रय न करें। निरीक्षण के दौरान पाए जाने पर कीटनाशक अधिनियम 1968 एवं कीटनाशक नियमावली 1971 के तहत कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। यह कदम किसानों की सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण के लिए महत्वपूर्ण है।

डीएम-एसपी ने कि आगामी त्योहारों के दृष्टिगत शांति समिति की बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता और पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद की उपस्थित में होली, ईद एवं रमजान माह के दृष्टिगत जनपद में कानून एवं शान्ति व्यवस्था को बनाये रखने तथा उक्त अवसर पर की जाने वाली आवश्यक व्यवस्थाओं एवं कार्यवाही की समीक्षा हेतु पीस कमेटी की बैठक होलिका सुरक्षा समिति व होली बारात, जुलूस आयोजको एवं पीस कमेटी के पदाधिकारियों, संभ्रान्त नागरिकों एवं पुलिस अधिकारियों के साथ कलक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गयी। डीएम एसपी द्वारा द्वारा संयुक्त रूप से थानावार समीक्षा की गई। डीएम-एसएसपी ने संभ्रांत नागरिकों से उनकी समस्याएं एवं सुझाव प्राप्त करते उन्हें साफ-सफाई एवं सुरक्षा व्यवस्था के प्रति आश्वस्त किया। डीएम ने कहा कि जिले के लोग गंगा-जमुनी तहजीब का परिचय देते हुए आपस में मेल-मिलाप, प्रेम-सौहार्द और भाईचारे के साथ त्योहारों

को मनाएं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि साफ-सफाई, शुद्ध पेयजल एवं निर्बाध विद्युत आपूर्ति की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सड़कों कहीं पर भी गड्ढे न हो। उन्होंने कहा कि सभी त्योहारों को सकुशल संपन्न कराने के लिए जिला एवं पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। जिला मजिस्ट्रेट ने कहा कि त्यौहार सामाजिक समरसता एवं सौहार्द के प्रतीक हैं, इसलिए सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। त्यौहारों के अवसर पर मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री करने वालों के विरूद्ध अभियान चलाकर पूर्ण रोक लगायी जाए। आपसी सौहार्द का परिचय देते हुए अच्छे से त्योहारों को मनाएं। सभी संभ्रांत लोगों से अपील करते हुए कहा कि त्योहारों को सकुशल और शांतिपूर्वक रूप से मनाने में पुलिस प्रशासन का पूर्ण सहयोग प्रदान करें। पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने कहा कि इंटरनेट एवं सोशल मीडिया पर किसी प्रकार की भ्रामक पोस्ट ना डाली जाए और ना ही उसे फॉरवर्ड किया जाए। उन्होंने किसी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दिए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि त्योहारों को मनाने में किसी प्रकार की नई परंपरा शुरू करने की अनुमति नहीं है। जनपदवासी शांति एवं आपसी भाईचारे के साथ त्योहारों को मनाएं। उन्होंने कहा कि डीजे पर बजने वाले गाने भी ऐसे न हो की किसी अन्य की भावनाएं आहत हो। उन्होंने सभी थाना अध्यक्षों से अपने-अपने क्षेत्र में पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती के निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस के अधिकारियों को निर्देश दिए कि पहले से ही संबंधित क्षेत्रों का पैदल भ्रमण कर तैयारियों का जायजा लेकर समय रहते कमियों को पूर्ण कर लिया जाए। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि सभी अधिकारी अपने-अपने क्षेत्र में भ्रमण कर होलिका स्थापना के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त कर लें सुनिश्चित किया जाए कि सभी स्थान सुरक्षित हो। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व गरिमा सिंह, अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया, समस्त उपजिलाधिकारी एवं पुलिस क्षेत्राधिकारी, थानाध्यक्ष के साथ विभागीय अधिकारी सहित पीस कमेटी के सदस्य, समाज के संभ्रांत नागरिक उपस्थित रहे।

सपा कार्यकताओं ने मनाई संत गाडगे महाराज की 150वीं जयंती

उमेश चंद्र दिवाकर परिसर में हुआ कार्यक्रम, नेताओं ने बताए संत के आदर्शों पर चलने का संकल्प

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जनपद में समाजवादी पार्टी द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निदेर्शानुसार महान समाज सुधारक संत गाडगे महाराज की 150वीं जयंती उमेश चंद्र दिवाकर परिसर, भरतरा चुंगी पर श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष, विधायक, पार्टी पदाधिकारी व कार्यकताओं ने संत गाडगे महाराज के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने संत गाडगे महाराज के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वे एक महान समाज सुधारक, संत और भिक्षु थे, जिन्होंने गरीब, दीन-दलित और वंचित वर्ग के उत्थान के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने अज्ञान, अंधश्रद्धा और अस्वच्छता के खिलाफ जनजागरण अभियान चलाया। विधायक राम खिलाड़ी यादव ने कहा कि संत गाडगे महाराज ने समाज में व्याप्त कुरीतियों और जातिगत भेदभाव के विरुद्ध आवाज बुलंद की। उन्होंने धर्मशालाएं, गौशालाएं, विद्यालय, चिकित्सालय और छात्रावासों के निर्माण जैसे कई महत्वपूर्ण कार्य कर समाज सेवा का उदाहरण प्रस्तुत किया। जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार ने कहा कि गाडगे महाराज ने लोगों को स्वच्छता और शिक्षा का महत्व समझाया। उनकी शिक्षाएं आज भी समाज को प्रेरित करती हैं और सामाजिक समानता का संदेश देती हैं। हाल ही में भाजपा छोड़कर सपा में शामिल हुए नेता उमेश चंद्र दिवाकर ने कहा कि संत गाडगे महाराज की जयंती हमें उनके आदर्शों को अपनाने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी में शामिल होकर उन्हें दलित, पिछड़े, अतिपिछड़े, अल्पसंख्यक और सभी वर्गों के साथ काम करने का सम्मान और अवसर मिलेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने की, जबकि संचालन जिला महासचिव कृष्ण मुरारी शंखधार ने किया। इस अवसर पर राजेंद्र गुरुजी (प्रदेश सचिव), विमलेश कुमारी, बलवंत सिंह, अशोक यादव, स्वराज सिंह दिवाकर, मन्नू सिंह दिवाकर, शोभित कुमार काका, लड्डन मियां, ओमप्रकाश प्रजापति, संजीव यादव, ताहिर उल्ला खान, पूरनलाल मौर्य, हरीश चंद्र आर्य, फैजान शाही, अशोक राणा, सुनीता यादव, शारदा यादव, रवि दिवाकर, भारत सिंह यादव, संजय मदन, ठाकुर उदयवीर सिंह, सुनील खड़कवंशी, अमरीश यादव, कुमारपाल यादव, ओंकार सिंह दिवाकर, मनोज शर्मा, लोकेश यादव, आकाश शंखधार, प्रतीक नानू, अंश बरनवाल, डॉ. हंसराज, रिंकू चौहान, अन्ना जाकी, एसपी बिलाल, रघुनंदन यादव, मुकेश यादव सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में संत गाडगे महाराज के आदर्शों पर चलने और सामाजिक समरसता को मजबूत करने का संकल्प लिया गया।

बाल विवाह के खिलाफ जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन की सहयोगी प्रयत्न संस्था चला रही अभियान

सम्भल(सब का सपना):- बाल अपराधों के खिलाफ जिलाधिकारी डॉ राजेंद्र पेंसिया के निर्देशन में जस्ट राइट फॉर चिल्ड्रन की सहयोगी प्रयत्न संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर गौरीशंकर चौधरी सम्भल में लगातार अभियान चला रहे है इसी क्रम में सोमवार को अभियान को गति प्रदान करते हुए प्रयत्न संस्था और जिला प्रोबेशन कार्यालय के संयुक्त तत्वाधान में जिला प्रोबेशन अधिकारी चंद्रभूषण के सहयोग से सम्भल ब्लॉक के गांव नासरपुर में ग्राम प्रधान सुंदर सिंह के नेतृत्व में ग्रामीणों ने बाल विवाह न करने की शपथ ली इस अवसर पर प्रयास संस्था के प्रोजेक्ट मैनेजर गौरीशंकर चौधरी ने कहा की बच्चे देश का भविष्य हैं और देश के भविष्य को बचाना हम सबकी जिम्मेदारी है एवं लोगों को बाल अपराधों के विषय में जानकारी देते हुए बताया की हमारे आसपास हो रहे किसी भी बाल विवाह की जानकारी संबंधित नंबरों जिसमें चाइल्ड हेल्प लाइन 1098, पुलिस 112 पर या ग्राम प्रधान को या प्रयास संस्था को दे सकते है। जिससे की जनपद सम्भल को बाल विवाह मुक्त बनाने के लक्ष्य को पूरा किया जा सके। बाल विवाह एक सामाजिक अपराध है इसको जड़ से खत्म करने के लिए हम सबको मिलकर अबाज उठानी होगी, अठारह साल से कम उम्र की लड़की और इक्कीस साल से कम उम्र के लड़के के विवाह के आयोजन में शामिल होने वाले सभी प्रतिभागी जिसमें शादी कराने वाले पंडित से लेकर नाई हलवाई टेंट वाला और सभी सेवा प्रदाताओं के साथ जो भी बाल विवाह के आयोजन में सम्मिलित होगा उन सभी को दो साल की सजा और एक लाख रुपए तक का जुमार्ना अथवा दोनो हो सकते हैं यदि आप कहीं बाल विवाह होता देखें, तो तुरंत इन नंबरों पर सूचना दें चाइल्ड हेल्पलाइन 1098,<पुलिस 112, जे आर सी हेल्पलाइन 1800-102-7222 आपका एक छोटासा प्रयास किसी बच्चे का पूरा जीवन बचा सकता है। इस अवसर पर फील्ड कॉर्डिनेटर सिराज अहमद , आगनवाड़ी पारुल ,मीनाक्षी ,शीला देवी आदि मौजूद रहे।

पुलिस की एण्टी रोमियों टीमों द्वारा चलाया गया 'मिशन शक्ति फेज-05' अभियान

महिलाओं एवं बलिकाओं को वितरित किये गये पम्पलेट व विभिन्न हेल्पलाइन नम्बरों से अवगत कराया गया

सम्भल(सब का सपना):- उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं/ बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत पुलिस अधीक्षक जनपद सम्भल कृष्ण कुमार व अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) जनपद सम्भल अनुकृति शर्मा के निर्देशन में सोमवार को जनपद सम्भल की मिशन शक्ति टीम में नियुक्त महिला पुलिसकर्मियों द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं को जागरुक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण कराने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर जागरुक किया गया । महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़ कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही मिशन शक्ति 5.0 अभियान के अन्तर्गत जनपद की एंटी रोमियो टीम द्वारा प्रमुख बाजारों, कस्बा,चौराहों, स्कूलों/कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिस कर्मियों द्वारा शासन व पुलिस विभाग द्वारा महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण स्वावलंबन हेतु चलाई जा रही विभिन्न विभागों की योजनाओं तथा पुलिस विभाग से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों वीमेन पावर लाइन 1090, पुलिस आपातकालीन सेवा-112 इमरजेन्सी कॉल/पैनिक बटन-मोबाइल पर डेमो, सी०एम० हेल्प लाइन 1076, स्वास्थ्य सेवा हेल्प लाइन-102, एम्बुलेंस सेवा-108, महिला हेल्प लाईन-181, साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 आदि के बारे मे पंपलेट बांटकर जागरूक किया गया

राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारी तेज, न्यायिक अधिकारियों की बैठक आयोजित

चंदौसी/सम्भल(सब का सपना):- उ.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुपालन में 14 मार्च को प्रस्तावित राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन एवं व्यापक प्रचार-प्रसार को लेकर जनपद में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। जनपद न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के आदेशानुसार सोमवार को नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत/अपर जनपद एवं सत्र न्यायाधीश (विशेष न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट) संभल स्थित चंदौसी के विश्राम कक्ष में समस्त न्यायिक अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत ने निर्देश दिए कि आगामी लोक अदालत में अधिक से अधिक वादों का निस्तारण सुलह-समझौते के माध्यम से, त्वरित, किफायती एवं सौहार्दपूर्ण तरीके से सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि लोक अदालत का उद्देश्य आमजन को सरल और सुलभ न्याय उपलब्ध कराना है, इसलिए संबंधित मामलों की पहचान कर पक्षकारों को अधिकाधिक संख्या में प्रेरित किया जाए। बैठक में अपर सत्र न्यायाधीश आरती फौजदार, अपर जनपद न्यायाधीश/विशेष न्यायाधीश एससी-एसटी एक्ट रागिनी सिंह, सिविल जज (सी.डि.)/एसीजेएम आदित्य सिंह, सिविल जज (सी.डि.)/एसीजीएम पराग यादव तथा सिविल जज (जू.डि.)/जेएम दिव्या गर्ग सहित अन्य न्यायिक अधिकारी उपस्थित रहे। नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत/अपर जनपद एवं सत्र न्यायाधीश अवधेश कुमार सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए सभी न्यायालयों में समन्वय स्थापित कर तैयारियां सुनिश्चित की जा रही हैं। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे अपने लंबित वादों के त्वरित और आपसी सहमति से निस्तारण के लिए लोक अदालत का लाभ उठाएं।

नोएडा एक्सप्रेसवे पर भीषण सड़क हादसा, बरातियों से भरी गाड़ियों से भिड़ी स्कॉर्पियो; महिला की मौत

नोएडा। सेक्टर-39 थाना क्षेत्र के नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर शनिवार देर रात तेज रफ्तार काले रंग की स्कार्पियो ने सेक्टर-82 पुलिस चौकी कट के सामने दो ईकोवैन में टक्कर मार दी । हादसे में एक महिला ने अस्पताल में दम तोड़ दिया जबकि घायलों का इलाज चल रहा है। स्वजनों की ओर से पुलिस को शिकायत नहीं दी गई है। पुलिस ने क्षतिग्रस्त ईको वैन और स्कार्पियो गाड़ी को सड़क से हटाकर कब्जे में ले लिया है। घायलों की हालत में सुधार हो रहा है। पुलिस लिखित शिकायत मिलने पर आरोपित के खिलाफ कार्रवई की बात कह रही है। बदायूं के रिसौली गांव से शनिवार को एक परिवार दिल्ली के संगम विहार में शादी समारोह में शामिल होने गया था। वैवाहिक समारोह संपन्न होने के बाद परिवार के 12 लोग अलग-अलग ईको वैन से बदायूं लौट रहे थे।डिवाइडर से टकराकर ईको वैन में घुसी स्कॉर्पियो रात ढाई बजे वे नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे पर सेक्टर-82 पुलिस चौकी कट के सामने पहुंचे। तभी पीछे से तेज रफ्तार स्कार्पियो गाड़ी फार्च्यूनर और ब्रेजा में टक्कराने के बाद आगे चल रही दो ईको वैन में जा भिड़ी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि स्कार्पियो पहले डिवाइडर से टकराई थी, उसके बाद ईको वैन में घुस गई।टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों वैन सड़क पर ही बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं जबकि स्कार्पियो कुछ दूर जाकर पलट गई। उसके अंदर दो लोग सवार थे। चालक बेहोश हो गया जबकि उसका साथी मामूली घायल हो गया। वहीं इको वैन में सवार कुल पांच लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सूचना पर पुलिस ने पहुंचकर घायलों को एंबुलेंस से अस्पताल भेजा। इलाज के दौरान 55 साल की आशा देवी ने दम तोड़ दिया जबकि राजाराम 70 वर्ष, बेटा रवि 30 वर्ष, रीना 35 वर्ष और श्रीपाल 30 वर्ष का इलाज चल रहा है। इनमें श्रीपाल और रवि गंभीर हैं। दोनों के पैर में फ्रैक्चर और सिर में दस से अधिक टांके लगे हैं। एसीपी प्रथम प्रवीण कुमार सिंह ने बताया कि स्कार्पियो चालक भी गंभीर घायल होने से उसका आइसीयू में इलाज चल रहा है। प्रारंभिक जांच में चालक द्वारा नशा करने की बात सामने आई है। मेडिकल होने पर इसकी आधिकारिक पुष्टि होगी। यातायात प्रभावित होने पर क्षतिग्रस्त वाहनों को हटवाकर वाहन चालकों को गंतव्य की ओर भेजा गया। पीड़ित परिवार के सदस्य योगेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि सभी लोग अलग-अलग गाड़ियों में शादी से लौट रहे थे। सभी काफी खुश थे, लेकिन बीच रास्ते में भयंकर टक्कर से दर्दनाक हादसा हो गया। उनका आरोप है कि स्कार्पियो चालक तेज रफ्तार में था। फिलहाल पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद महिला का शव स्वजनों को सौंप दिया। शाम चार बजे स्वजन शव ले कर बदायूं चले गए।

कलक्ट्रेट सभागार में आधार अनुश्रवण समिति की बैठक का किया गया आयोजन

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया के निर्देशन एवं अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व प्रदीप वर्मा की अध्यक्षता में आधार अनुश्रवण समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के अन्तर्गत जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी रत्नेश कुमार द्वारा बैठक के प्रमुख एजेण्डा बिन्दुओं से अपर जिलाधिकारी को अवगत कराया। यूडीआईएसई प्लस पोर्टल रिपोर्ट पर विकास खण्ड वार चर्चा की गयी। अपर जिलाधिकारी द्वारा जनपद में संचालित आधार मशीन के विषय तथा मशीन को संचालित करने वाले ऑपरेटर की व्यवस्था के विषय में जानकारी प्राप्त की तथा संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि अगर किसी मशीन को संचालित करने के लिए ऑपरेटर नहीं हो तथा ऑपरेटर की व्यवस्था की जाए तथा आधार मशीनें संचालित रहें। अपर जिलाधिकारी द्वारा संबंधित को अनुदेशकों की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। अपडेशन को लेकर भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक के अन्तर्गत स्टेट पोर्टल यूजर्स, आधार डॉक्यूमेंट अपडेट आदि पर भी चर्चा की गयी।रजिस्ट्रार वार आधार सेवाएं, 31 जनवरी 2026 तक जनपद में आधार संतृप्ति करण , एवं आधार सर्विस चार्ज आदि को लेकर भी जानकारी प्राप्त की गयी एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

इस अवसर पर जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी रत्नेश कुमार, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी प्रभात मिश्रा एवं ईडीएम विपिन कुमार एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय की छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण प्रदान किया गया

बहजोई/सम्भल(सब का सपना):- जिलाधिकारी के दिशानिदेर्शों के क्रम में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत आयोजित आत्म रक्षा प्रशिक्षण के अंतर्गत सोमवार को कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय बहजोई व कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय राजपुरा की छात्राओं को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिससे कि वह विपरीत परिस्थितियों में विरोधी का सामना करने में सक्षम हों। प्रशिक्षक सुरेश कुमार व महिला खिलाड़ी श्रष्टि ने छात्राओं को टर्निंग किक, साइड किक, कट पंच की ट्रेनिंग दी। सुरेश कुमार ने बताया कि सभी छात्राएं बड़ी ही लगन से मार्शल आर्ट का प्रशिक्षण ले रही हैं तथा दिन प्रतिदिन खुद को मजबूत महसूस कर रही हैं। जिला प्रोबेशन अधिकारी चन्द्र भूषण ने बताया कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत जिले के जूनियर हाई स्कूल व कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालयों में बेटियों को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण दिया जा रहा है ' छात्राओं को प्रशिक्षण के साथ-साथ सरकार द्वारा महिलाओं और बालिकाओं के हितार्थ चलाई जा रही योजनाओं यथा मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन, छात्रवृति , मुख्यमंत्री बाल सेवा आदि चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के बारे में बताया गया, जिससे बालिकाओं/ महिलाओं को सरकार द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाओं की जानकारी और पात्र महिलाओं/बालिकाओं को योजनाओं का लाभ मिल सके '

पुलिस ने किया दो मासूमों की हत्या का सनसनीखेज खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

धनारी/संभल(सब का सपना):- जनपद में दो नाबालिग बच्चों के अपहरण और हत्या के मामले में पुलिस ने सनसनीखेज खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई संभल पुलिस द्वारा चलाए जा रहे वांछित अभियुक्त गिरफ्तारी अभियान के तहत की गई। थाना बहजोई क्षेत्र के ग्राम मैथरा धर्मपुर निवासी रामौतार पुत्र मुन्नालाल ने थाने में लिखित तहरीर देकर आरोप लगाया था कि उनका 14 वर्षीय पुत्र अमरपाल और 10 वर्षीय कमल सिंह 26 नवंबर को ग्राम मझौला थाना धनारी में अपने मामा के बेटे की शादी में गए थे। बारात के दौरान आरोपी धनवीर पुत्र नेत्रपाल ने दोनों बच्चों को बहला-फुसलाकर मोटरसाइकिल पर बैठाया और अपहरण कर लिया। परिजनों की शिकायत पर 28 नवंबर को मुकदमा दर्ज किया गया। विवेचना के दौरान 29 नवंबर को अमरपाल का शव रजपुरा थाना क्षेत्र के ग्राम सिधौली कल्लू के गन्ने के खेत से बरामद हुआ, जबकि 12 दिसंबर को कमल सिंह का शव ग्राम भकरौली रेलवे लाइन के पास तालाब से मिला। दोनों की हत्या कर शव छिपाए गए थे। घटना के बाद आरोपी लगातार फरार रहा। न्यायालय मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, चंदौसी द्वारा 11 दिसंबर को गिरफ्तारी वारंट तथा 22 दिसंबर को बीएनएसएस की धारा 84 के तहत उद्घोषणा जारी की गई। 27 दिसंबर को धारा 85 बीएनएसएस के अंतर्गत कुर्की आदेश जारी हुआ और 2 फरवरी को आरोपी की संपत्ति कुर्क की गई। लगातार दबाव के चलते आरोपी धनवीर ने 9 फरवरी को मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, संभल के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया, जिसके बाद उसे जिला कारागार मुरादाबाद भेज दिया गया। 20 फरवरी को पुलिस कस्टडी रिमांड मंजूर होने के बाद 21 फरवरी को आरोपी को 48 घंटे की रिमांड पर लिया गया। 22 फरवरी को उसकी निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त व्हीलपाना बरामद किया गया। पुलिस ने आवश्यक साक्ष्य संकलित कर लिए हैं। सोमवार को आरोपी को पुनः न्यायालय में पेश कर रिमांड प्रक्रिया पूर्ण करने के बाद जिला कारागार मुरादाबाद भेजा जा रहा है। यह पूरी कार्रवाई पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार के पर्यवेक्षण में संपन्न हुई। पुलिस का कहना है कि मामले में विधिक कार्रवाई जारी है और आरोप पत्र शीघ्र न्यायालय में प्रेषित किया जाएगा।

ट्रक से बुलेट सवार की मौत पर भड़का आक्रोश, परिजनों का थाने के बाहर धरना, सीओ के आश्वासन पर खुला जाम

बढ़ापुर/बिजनौर (सब का सपना):- रविवार की शाम ट्रक की टक्कर से बुलेट सवार युवक की मौत के बाद सोमवार सुबह परिजनों और ग्रामीणों में भारी आक्रोश फैल गया। गुस्साए परिजन सुबह लगभग 10 बजे के बाद बढ़ापुर थाने के बाहर धरना प्रदर्शन पर बैठ गए और पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। परिजनों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने बिना सूचना दिए शव को अपने कब्जे में ले लिया और परिवार को अंतिम दर्शन तक नहीं करने दिए। इस बात को लेकर परिजनों और ग्रामीणों में रोष और बढ़ गया, जिसके चलते थाने के बाहर काफी देर तक तनावपूर्ण स्थिति बनी रही। धरना प्रदर्शन के कारण मार्ग पर आवागमन

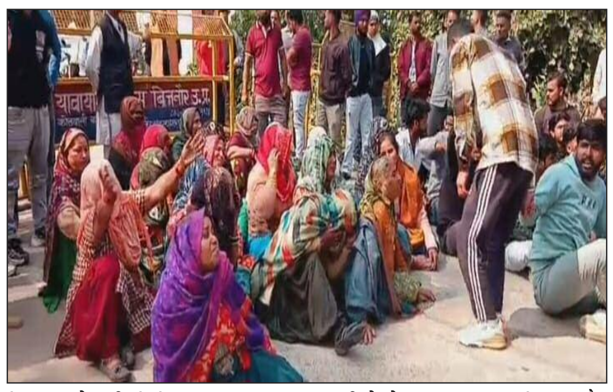

भी प्रभावित हुआ और मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। सूचना मिलने पर पुलिस अधिकारी स्थिति को संभालने में जुटे रहे, लेकिन परिजन उच्च अधिकारी के मौके पर आने की मांग पर अड़े रहे। अपरा लगभग 3 बजे अंजनी कुमार चतुर्वेदी (क्षेत्राधिकारी, नगीना) मौके पर पहुंचे। उन्होंने परिजनों और ग्रामीणों से वार्ता कर पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली तथा निष्पक्ष कार्रवाई का आश्वासन दिया। सीओ ने परिजनों को भरोसा दिलाया कि मामले की विधिवत जांच कर दोषी वाहन चालक के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद परिजनों से तहरीर लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू की गई। प्रशासनिक आश्वासन के बाद ग्रामीणों ने धरना समाप्त किया और जाम खोल दिया, जिससे आवागमन सामान्य हो सका। पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

तालिब खालिद बंधुओं से जुड़े प्रकरण की गूंज अब शासन स्तर तक

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद में तालिब खालिद बंधुओं से जुड़े प्रकरण की गूंज अब शासन स्तर तक पहुंच गई है। प्रशासन द्वारा की गई कार्रवाई पर सवाल उठने के बाद मामला मुख्यमंत्री दरबार में पहुंचा, जहां से पूरे प्रकरण की विस्तृत रिपोर्ट तलब की गई है। पूर्व सांसद भारतेंद्र सिंह ने इस मामले में प्रशासनिक कार्रवाई पर गंभीर प्रश्न खड़े करते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि तहसील प्रशासन के कुछ अधिकारियों की भूमिका भी संदेह के घेरे में है और पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय समीक्षा होनी चाहिए। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए शासन ने जिला प्रशासन को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए

हैं। बताया जा रहा है कि संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध की गई कार्रवाई, राजस्व अभिलेखों और प्रशासनिक प्रक्रिया से जुड़े सभी तथ्यों का संकलन कर रिपोर्ट तैयार की गई है। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने मामले में अब तक हुई कार्रवाई का विस्तृत ब्यौरा तैयार कर शासन को भेज दिया है। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार रिपोर्ट में प्रकरण से जुड़े सभी बिंदुओं, शिकायतों, की गई कार्रवाई और वर्तमान स्थिति का उल्लेख किया गया है। शासन स्तर पर मामले को गंभीरता से लिया जा रहा है और आवश्यकतानुसार आगे की कड़ी कार्रवाई के संकेत दिए गए हैं। वहीं स्थानीय स्तर पर यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है तथा लोग जांच के निष्कर्ष का इंतजार कर रहे हैं। प्रशासन का कहना है कि शासन के निर्देशों के अनुरूप विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी और यदि किसी स्तर पर अनियमितता पाई जाती है तो जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

इंसानियत हर धर्म पर भारी, जरुरतमंदों की मदद करना भी जरूरी:- शैलू

बिजनौर (सब का सपना):- खुदा की इबादत बेहद जरूरी है, लेकिन खुदा की इबादत के साथ-साथ इंसानियत भी जरूरी है। लुहारी सराय के रहने वाले अब्दुल माजिद के बेटे शैलू कहते हैं की " हमने रोती हुई आंखों को हंसाया है सदा - इससे बेहतर तो इबादत हमसे हो नहीं सकती। उनका कहना है कि इंसानियत भी किसी इबादत से कम नहीं और जरुरतमंदों कि मदद करना सबसे बड़ा सवाब है। नगर के प्रसिद्ध व मोहल्ला लुहारी सराय निवासी शैलू पवित्र व रहमतों वाले रमजानुल मुबारक माह में मीडिया से रूबरू होते हुए बोलें कि इंसानियत से बड़ा कोई धर्म नहीं है, जितनी जरूरी खुदा

की इबादत है उसी तरह इंसानों के लिए खुदा की हर मखलूफ के लिए इंसानियत भी होना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों, असहाय व निर्धनों की मदद करना, भुखे को खाना खिलाना, पंछियों को पानी व दाना, और जानवरों के खान-पान का ध्यान रखना भी एक इबादत है। उन्होंने तो यहां तक कह दिया कि हमारा इस्लाम बताता है कि पड़ोस में रहने वाला शख्स भूखा ना रहें, पड़ोसी किसी भी जात या बिरादरी का हो। उन्होंने कहा कि इस्लाम ने पड़ोसी शब्द लिखा है बिरादरी या जात शब्द नही बताया है। उन्होंने कहा कि दुश्मन पर भी रहम करों, सड़क पर रखे, पत्थर को हटाना भी नेकी के दायरे में आता है। सिर्फ इंसान देखो जात या बिरादरी ना देखो। उन्होंने संपन्न लोगों से अपील कर कहा की समय समय पर हैसियत अनुसार जरूरतमंदों की मदद किया करें। एक सवाल के जवाब में शैलू ने यूं कहां की " लोग कहते हैं की- इबादत तो इबादत है,- हमने तो इंसानियत को भी इबादत कहा है।

बिजनौर में पर्यटन को बढ़ावा और वैवाहिक पंजीकरण सूचना प्रशासन की दो अहम पहल

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद में एक ओर पर्यटन आधारित स्वरोजगार को बढ़ावा देने की दिशा में नई पहल शुरू की गई है, वहीं दूसरी ओर विशेष विवाह अधिनियम के अंतर्गत वैवाहिक पंजीकरण से संबंधित सार्वजनिक सूचना जारी की गई है। प्रशासन की इन दोनों कार्रवाइयों को स्थानीय स्तर पर व्यवस्था सुदृढ़ करने और नागरिक सुविधाओं को सरल बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। होमस्टे नीति-2025 से खुलेगा अतिरिक्त आय का रास्ता जिलाधिकारी जसजीत कौर की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समीक्षा बैठक में पर्यटन विभाग से जुड़े कार्यों की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी, जिला पर्यटन अधिकारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। जिलाधिकारी ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा लागू उत्तर प्रदेश बेड एंड ब्रेकफास्ट एवं होमस्टे नीति-2025 का उद्देश्य प्रदेश में आने वाले पर्यटकों को किफायती,

सुरक्षित और घरेलू वातावरण में ठहरने की सुविधा उपलब्ध कराना है। इसके तहत आम नागरिक अपने आवास के 1 से 6 कमरे (अधिकतम 12 बेड) होमस्टे के रूप में पंजीकृत कर अतिरिक्त आय अर्जित कर सकते हैं, बशर्ते भवन स्वामी उसी परिसर में निवास करता हो। पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन और सरल रखी गई है। स्थानीय स्तर पर एनओसी प्रक्रिया को भी आसान बनाया गया है। सुविधाओं के आधार पर इकाइयों को गोल्ड और सिल्वर श्रेणी में वर्गीकृत किया जाएगा। पर्यटक अधिकतम 7 दिन तक ठहर सकेंगे, जिसे आवश्यकता अनुसार नवीनीकृत किया जा सकेगा। नीति के अंतर्गत वित्तीय प्रोत्साहन और सब्सिडी का भी प्रावधान है, जिससे स्थानीय युवाओं और परिवारों को स्वरोजगार के नए अवसर मिलेंगे। प्रशासन ने मौजूदा होमस्टे संचालकों को 9 जून 2026 तक नई नीति के तहत पंजीकरण कराने के निर्देश दिए हैं। दूसरी ओर विशेष विवाह अधिकारी/अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) कार्यालय की ओर से एक वैवाहिक पंजीकरण आवेदन के संबंध में सार्वजनिक सूचना जारी की गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, झालू कस्बे निवासी अनमोल अग्रवाल और शगुफा अली हैदर द्वारा विशेष विवाह अधिनियम के अंतर्गत विवाह पंजीकरण हेतु न्यायालय में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया है। प्रशासन ने सर्वसाधारण को सूचित किया है कि यदि किसी व्यक्ति को उक्त विवाह के पंजीकरण पर कोई आपत्ति हो तो वह 20 मार्च 2026 से पूर्व किसी भी कार्य दिवस में न्यायालय में उपस्थित होकर अपनी आपत्ति या साक्ष्य प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा। स्थानीय अर्थव्यवस्था और प्रशासनिक पारदर्शिता पर जोर प्रशासन का मानना है कि एक ओर होमस्टे नीति से पर्यटन, रोजगार और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी, वहीं विधिक प्रक्रिया के तहत जारी सार्वजनिक सूचनाएँ पारदर्शिता और वैधानिक व्यवस्था को सुनिश्चित करती हैं। जनपदवासियों से शासन की योजनाओं में सक्रिय भागीदारी करने और उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने की अपील की गई है।

नूरपुर मुरादाबाद मार्ग पर भीषण सड़क हादसा

ईको वैन की टक्कर से ऑटो पलटा, बुजुर्ग की मौत, 6 घायल

बिजनौर (सब का सपना):- सोमवार को जनपद के थाना नूरपुर क्षेत्र में सोमवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि ऑटो चालक सहित छह लोग घायल हो गए। हादसा नूरपुरझमुरादाबाद मार्ग पर सुबह लगभग 9 बजे गोहावर चौराहे से आगे पेट्रोल पंप के पास हुआ, जब सामने से आ रही ईको वैन ने सवारियों से भरे ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि ऑटो अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया और मौके पर चीख-पुकार मच गई। हादसे में हल्दौर क्षेत्र के गांव मुकरपुर शक्ति निवासी 70 वर्षीय रामसिंह की मौके पर ही मृत्यु हो गई। घायलों में समरपाल (देहरी खुर्द), निशि (20), रीना पत्नी बाबूराम (कोटपुरा), अंजलि पुत्री बाबूराम (मुकरपुर शक्ति), सोमपाल पुत्र छोटे (मुकरपुरी) तथा धर्मवीर (खासपुरा उमरी) शामिल हैं। इनमें से कई यात्री अमरोहा जनपद के बताए जा रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस और स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे तथा सभी घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नूरपुर पहुंचाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद धर्मवीर, निशि और समरपाल की हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। परिजनों के अनुसार मृतक रामसिंह गांव बर नंगला में एक शादी समारोह में शामिल होकर अपने घर लौट रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि टक्कर मारने वाला वाहन चालक मौके से फरार हो गया। हादसे की पूरी घटना पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है, जिसके आधार पर पुलिस वाहन की पहचान में जुटी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू कर दी है। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और फरार चालक को जल्द पकड़ लिया जाएगा।

लाल बारादरी का दरवाजा सील करने के विरोध में लखनऊ विश्वविद्यालय में दूसरे दिन भी छात्रों का प्रदर्शन

एजेंसी

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय (लवि) में लाल बारादरी के दरवाजे को सील करने के विरोध में छात्र संगठन दूसरे दिन भी प्रदर्शन कर रहे हैं। इसके साथ ही अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पदाधिकारी प्रदर्शन के विरोध में उतर आए हैं। विश्वविद्यालय प्रशासन और पुलिस अधिकारी छात्र नेताओं से बात कर रहे हैं। उन्हें समझाने का प्रयास किया जा रहा है। लखनऊ यूनिवर्सिटी में एनएसयूआई और आइसा से जुड़े छात्रों ने लाल बारादरी के दरवाजे को सील करने के विरोध में प्रदर्शन किया। यह लोग लाल बारादरी दरवाजा बंद करने का विरोध कर रहे हैं और लाल बारादरी में नमाज पढ़ने के स्थान को सील करने पर हंगामा भी

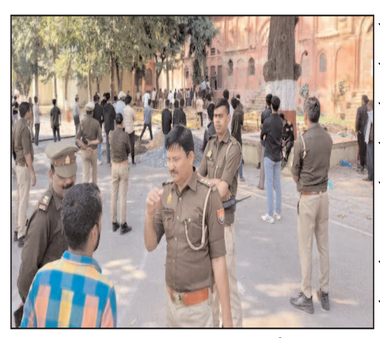

किया।लखनऊ विश्वविद्यालय ने जीर्ण-शीर्ण बारादरी की फेंसिंग की पहले से तैयारी की थी। इसको लेकर विरोध की आशंका भी थी। इसी कारण विश्वविद्यालय की कुलसचिव भावना मिश्रा ने शनिवार को हसनगंज थाना प्रभारी को पत्र लिखकर सुरक्षा व्यवस्था कराने की मांग की थी। रविवार को बारादरी के किनारे पिलर की जोड़ाई शुरू की गई। इसी बीच छात्र नेताओं ने विरोध शुरू कर दिया। छात्र नेताओं का कहना है कि विश्वविद्यालय में मुस्लिम विद्यार्थियों के साथ भेदभाव किया जा रहा है। इस मामले में विश्वविद्यालय के निर्माण अधीक्षक डा. श्यामलेश का कहना है कि लाल बारादरी का भवन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त है। कभी भी गिर सकता है। इसी वजह से यहां बैंक, क्लब, कैंटीन खाली कराया जाना है। कुछ लोग दरवाजे से बारादरी से अंदर चले जाते हैं। यहां पर कई बार असुरक्षित गतिविधियां भी पाई गईं, इसलिए टूटे दरवाजे बंद करने के लिए चुनाई करा दी गई। बारादरी के बाहर जाली लगाई जा रही थी, जिसका छात्रों ने विरोध शुरू कर दिया। जान-माल का नुकसान न हो,

प्रवेश किया वर्जित

विश्वविद्यालय प्रशासन का कहना है कि लाल बारादरी की इमारत जीर्ण-शीर्ण अवस्था में थी। इस इमारत में मौजूद यूको बैंक एवं स्टाफ क्लब हटाए गए। ईमारत में बोर्ड लगा दिए जाने के बावजूद विद्यार्थी इसमें अनधिकृत रूप से प्रवेश कर रहे थे और रील बना रहे थे। इमारत किसी भी वक्त गिर सकती है।

किसी जान-माल का नुकसान न हो, इसलिए इसमें सभी का प्रवेश वर्जित किया गया है। इसका किसी समुदाय विशेष से लेना-देना नहीं है। लाल बारादरी के जीर्णोद्धार के लिए एएसआइ से पत्राचार किया जा रहा है। यदि कहीं से कोई धन प्राप्त होगा तो इमारत का जीर्णोद्धार किया जाएगा।

विवाहिता की संदिग्ध मौत से सनसनी, मायके पक्ष ने लगाया हत्या का आरोप

बिजनौर (सब का सपना):- जनपद के थाना क्षेत्र स्थित खातापुर गांव में तीन माह की मासूम बच्ची की मां की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो जाने से इलाके में हड़कंप मच गया। घटना को लेकर मायके पक्ष ने ससुराल पक्ष पर गला दबाकर हत्या करने का गंभीर आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 28 वर्षीय काजल की शादी लगभग डेढ़ वर्ष पूर्व लावलपुर निवासी गौरव के साथ हुई थी। गौरव अग्निशमन विभाग (फायर ब्रिगेड) में कार्यरत हैं और वर्तमान में उनकी तैनाती लखनऊ में बताई जा रही है। विवाह के बाद दंपति के यहां तीन माह पूर्व एक पुत्री का जन्म हुआ था। परिवार में नवजात के आने से जहां खुशियों का माहौल था, वहीं अचानक हुई इस घटना ने सब कुछ शोक में बदल दिया। मृतका के पिता बरमपाल सिंह ने आरोप लगाया कि तीन दिन पहले गौरव अपनी पत्नी को मायके से साथ ले गया था। परिजनों के अनुसार इसके बाद उन्हें काजल की तबीयत बिगड़ने और फिर मौत की सूचना मिली। मायके पक्ष का कहना है कि उन्हें घटना की परिस्थितियां संदिग्ध लगीं और काजल की हत्या किए जाने की आशंका है। उन्होंने आरोप लगाया कि ससुराल पक्ष ने गला दबाकर काजल की जान ली है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि प्रथम दृष्टया मामला संदिग्ध प्रतीत हो रहा है, लेकिन वास्तविक स्थिति पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। रिपोर्ट के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद मृतका के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घर में तीन माह की मासूम बच्ची को लेकर परिजन बिलखते नजर आए। ग्रामीणों में भी घटना को लेकर तरह-तरह की चचाएं हैं।

गांव में पूरे दिन लोगों का जमावड़ा लगा रहा और वातावरण शोकाकुल बना रहा। पुलिस ने दोनों पक्षों से पूछताछ शुरू कर दी है तथा घटनाक्रम से जुड़े सभी तथ्यों को एकत्र किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और दोषी पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी।

सफाई कर्मचारियों का उत्पीड़न किसी भी हाल में सहन नहीं:- महिपाल सिंह वाल्मीकि

नगीना/ बिजनौर (सब का सपना):- नगर पालिका में कार्यरत सफाई कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर पहुंचे अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य महिपाल सिंह वाल्मीकि ने स्पष्ट चेतावनी दी कि सफाई कर्मचारियों के साथ किसी भी प्रकार का उत्पीड़न बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों की शिकायतों का समाधान प्राथमिकता के आधार पर कराया जाएगा। आयोग सदस्य ने नगर पालिका परिषद नगीना कार्यालय पहुंचकर सफाई कर्मचारियों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान अनेक कर्मचारियों ने सफाई निरीक्षक व संबंधित स्टाफ पर अभद्र व्यवहार, दबाव और कार्यस्थल पर परेशान किए जाने के आरोप लगाए। एक कर्मचारी ने गाली-गलौज तक की शिकायत रखी। मामले को गंभीर मानते हुए आयोग सदस्य ने संबंधित अधिकारियों को कार्यशैली में सुधार लाने के निर्देश दिए और कहा कि भविष्य में ऐसी शिकायत दोहराई गई तो कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कर्मचारियों को आश्वस्त किया कि वे सीधे संपर्क कर अपनी समस्या बता सकते हैं, जिस पर तत्काल संज्ञान लिया जाएगा। बैठक में मौजूद कर्मचारियों ने भी अपनी कार्यस्थितियों, व्यवहारिक समस्याओं और सम्मानजनक वातावरण की मांग उठाई। आयोग सदस्य ने उन्हें आश्वासन दिया कि शासन की मंशा है कि सबसे निचले स्तर पर कार्य करने वाले कर्मियों को भी न्याय, सुरक्षा और सम्मान मिले। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि सरकार सफाई कर्मचारियों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए गंभीर है। उन्होंने कर्मचारियों से अपने बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने और उन्हें अन्य पेशों में आगे बढ़ाने का आह्वान किया, ताकि समाज का समग्र विकास हो सके। कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधि, पालिका कर्मचारी और बड़ी संख्या में सफाई कर्मी उपस्थित रहे।

पूर्ति कार्यालय में घुसकर हंगामा, सरकारी कार्य में बाधा डालने का आरोप

चार नामजद समेत अन्य के खिलाफ मुकदमा दर्ज, जांच शुरू

धामपुर/बिजनौर (सब का सपना):- तहसील धामपुर स्थित पूर्तिनिरीक्षक कार्यालय में सरकारी कार्य में बाधा डालने, अभद्रता करने तथा कर्मचारियों को धमकाने के आरोप में पुलिस ने चार नामजद आरोपियों सहित अन्य अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है। घटना शनिवार की बताई गई है। दर्ज रिपोर्ट के अनुसार पूर्ति कार्यालय की ओर से दी गई शिकायत में कहा गया है कि निर्धारित समय पर विभागीय अधिकारी राशन दुकानों से संबंधित जांच व नोटिस की कार्यवाही कर रहे थे। इसी दौरान शकील, रविंद्र कुमार, मुशकुल तथा लोकेश चौहान उर्फ बंटी अपने साथ अन्य लोगों को लेकर कार्यालय पहुंच गए और कार्रवाई का विरोध करने लगे। आरोप है कि उक्त लोगों ने कार्यालय में शोर-शराबा किया, सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न की तथा कर्मचारियों के साथ अभद्र व्यवहार किया। शिकायत में यह भी उल्लेख किया गया कि आरोपियों द्वारा दबाव बनाते हुए कार्रवाई रोकने को कहा गया और कर्मचारियों को कथित रूप से धमकी भी दी गई, जिससे कार्यालय का कार्य प्रभावित हुआ और वहां तनाव की स्थिति बन गई। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता (BNS) 2023 की विभिन्न धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया है। पुलिस ने बताया कि प्रकरण की विवेचना शुरू कर दी गई है तथा साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों का कहना है कि सरकारी कार्य में बाधा डालने वाले किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

रैपिड रेल के बाद सराय काले खां ISBT पर फोकस करेगी दिल्ली सरकार, यात्रियों को मिलेंगी एयरपोर्ट जैसी सुविधाएं

नई दिल्ली। रैपिड रेल के शुरू हो जाने से सराय काले खां अंतरराष्ट्रीय बस टर्मिनलों (आईएसबीटी) पर दिल्ली सरकार फोकस करने जा रही है। सबसे पहले इसी आईएसबीटी के उन्नयन पर ध्यान दिया जाएगा। दरअसल दिल्ली सरकार शहर के तीन अंतरराष्ट्रीय बस टर्मिनलों (आईएसबीटी) सराय काले खां, आनंद विहार और कश्मीरी गेट पर अगले माह से व्यापक उन्नयन (अपग्रेडेशन) शुरू करने जा रही है। जिसका लक्ष्य छह महीने में पूरा करना है। मगर अब सराय काले खां प्राथमिकता में आ गया है। नवीनीकरण कार्य में खर्च होंगे 34 करोड़ दिल्ली परिवहन अवसंरचना विकास निगम (डीटीआइडीसी) द्वारा शुरू किए जाने वाले इस नवीनीकरण कार्य की अनुमानित लागत 34 करोड़ है। इसमें नागरिक, विद्युत और इलेक्ट्रो-मैकेनिकल मरम्मत के साथ-साथ आधुनिक यात्री सूचना प्रणाली की स्थापना, आरएफआइडी आधारित प्रवेश निगरानी और वाणिज्यिक और यात्री सुविधाओं का विस्तार शामिल होगा। तीनों आईएसबीटी के पुनर्विकास पर अगले माह से शुरू होगा काम सराय काले खां आरआरटीएस स्टेशन से पहले बार चली नमो भारत ट्रेन में उत्साहित यात्री। विपिन शर्मा योजना के तहत वास्तविक समय में बस के आगमन और प्रस्थान की जानकारी दिखाने वाले एलईडी डिस्प्ले बोर्ड और आरएफआईडी-आधारित बूम बैरियर परिचालन निगरानी में सुधार के लिए स्थापित किए जाएंगे। इस परियोजना में कुशल कामकाज सुनिश्चित करने के लिए विद्युत प्रणालियों, भवन अवसंरचना, यात्री सुविधाओं और सुरक्षा प्रणालियों का रखरखाव और उन्नयन शामिल है। यात्रियों की आवाजाही होगी और आसान

रैपिड रेल के शुरू होने से दिल्ली सरकार सराय काले खां ISBT के उन्नयन पर विशेष ध्यान देगी। अगले माह से सराय काले खां, आनंद विहार और कश्मीरी गेट ISBT का व्यापक अपग्रेडेशन शुरू होगा, जिसे छह महीने में पूरा करने का लक्ष्य है।

यह पहल दिल्ली सरकार के शहर के आईएसबीटी को हवाई अड्डे जैसी अवसंरचना और आधुनिक सुविधाओं वाले विश्व स्तरीय यात्री टर्मिनलों में पुनर्विकास करने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है। पुनर्विकास रोड मैप के हिस्से के रूप में यात्रियों के टर्मिनलों के भीतर आसान आवाजाही की सुविधा के लिए स्तर एस्केलेटर और ट्रैवलर (चलने वाले रास्ते) स्थापित किए जाएंगे, जिससे लंबी दूरी तक चलने की आवश्यकता कम हो जाएगी। इस उन्नयन का उद्देश्य व्यवस्थित बोर्डिंग और बेहतर यात्री प्रवाह सुनिश्चित करना है। इस योजना में स्वचालित टिकटिंग मशीनें, डिजिटल सूचना प्रणाली, बेहतर प्रतीक्षालय लाउंज और मनोरंजन क्षेत्र स्थापित करना भी शामिल है ताकि यात्रियों की सुविधा बढ़ाई जा सके।

दिल्ली पुलिस में पूर्व अग्निवीरों को 20% आरक्षण, फिजिकल से राहत और आयु सीमा में छूट; पहले बैच को विशेष रियायत

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस में भर्ती की प्रक्रिया से जुड़ा एक बड़ा फैसला लिया गया है। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने दिल्ली पुलिस (नियुक्ति एवं भर्ती) नियम, 1980 के नियम-9 में संशोधन को मंजूरी दे दी है। इस संशोधन के तहत अब पूर्व अग्निवीरों (**Ex-Agniveers**) को दिल्ली पुलिस में पुरुष कांस्टेबल (एग्जीक्यूटिव) पदों पर भर्ती में विशेष प्रावधान दिए जाएंगे। 20 % पद पूर्व अग्निवीरों के लिए रिजर्व संशोधित नियमों के अनुसार दिल्ली पुलिस में पुरुष कांस्टेबल (एग्जीक्यूटिव) के कुल पदों में 20 प्रतिशत आरक्षण पूर्व अग्निवीरों के लिए निर्धारित किया गया है। इस फैसले से सेना में चार वर्ष की सेवा पूरी कर चुके युवाओं के लिए पुलिस सेवा में आने का रास्ता आसान होगा। आयु सीमा में छूट और फिजिकल टेस्ट से राहत नई व्यवस्था के तहत पूर्व अग्निवीरों को भर्ती में कई महत्वपूर्ण रियायतें दी गई हैं। उन्हें निर्धारित अधिकतम आयु सीमा में तीन वर्ष की छूट मिलेगी। इसके अलावा उन्हें फिजिकल एफिशिएंसी टेस्ट (**Physical Efficiency Test**) से भी छूट प्रदान की जाएगी। अग्निवीर योजना के पहले बैच के उम्मीदवारों को विशेष राहत देते हुए अधिकतम आयु सीमा (25 वर्ष) से पांच वर्ष तक की अतिरिक्त छूट दी जाएगी। दिल्ली पुलिस में बड़ी संख्या में पद हैं खाली वर्तमान में दिल्ली पुलिस में पुरुष कांस्टेबल (एग्जीक्यूटिव) के 42,451 स्वीकृत पद हैं। इन पदों पर अब तक सीधी भर्ती प्रक्रिया के जरिए नियुक्ति की जाती रही है, जिसमें आयु सीमा 18 से 25 वर्ष निर्धारित है। नियमों में संशोधन के बाद बड़ी संख्या में पूर्व अग्निवीर इन पदों के लिए पात्र हो जाएंगे। अग्निवीरों के लिए करियर ट्रांजिशन होगा आसान गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने वर्ष 2022 में भारतीय युवाओं की सशस्त्र बलों में भर्ती के लिए अग्निवीर योजना शुरू की थी। नई भर्ती व्यवस्था का उद्देश्य सेना में चार वर्ष सेवा दे चुके युवाओं को कानून-व्यवस्था से जुड़े क्षेत्रों में रोजगार के बेहतर अवसर देना है। प्रशासन का मानना है कि सैन्य प्रशिक्षण और अनुशासन का अनुभव रखने वाले पूर्व अग्निवीर समाज सेवा और कानून प्रवर्तन की भूमिका में प्रभावी योगदान दे सकेंगे। इस फैसले को अग्निवीरों के नागरिक सेवाओं में सुगम पुनर्वास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

दिल्ली बार काउंसिल चुनाव में आचार संहिता उल्लंघन पर 79 प्रत्याशी निलंबित, जवाब के बाद 63 को दी गई राहत

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट परिसर में चल रही दिल्ली बार काउंसिल चुनाव की मतगणना के दौरान चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन का मामला सामने आया है। इस संबंध में रिटर्निंग ऑफिसर एवं दिल्ली हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति तलवंत सिंह ने सख्त कार्रवाई करते हुए कई प्रत्याशियों को निलंबित कर दिया। जानकारी के अनुसार, मतगणना प्रक्रिया के दौरान चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन पाए जाने पर कुल 79 प्रत्याशियों को निलंबित किया गया था। यह कार्रवाई चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता बनाए रखने के उद्देश्य से की गई। हालांकि, बाद में संबंधित प्रत्याशियों द्वारा स्पष्टीकरण और जवाब दाखिल किए जाने के बाद समीक्षा की गई। जांच के बाद 63 प्रत्याशियों का निलंबन वापस ले लिया गया। सूत्रों के अनुसार, मतगणना के दौरान नियमों के पालन को लेकर सख्ती बरती जा रही है और चुनाव अधिकारियों द्वारा पूरे घटनाक्रम पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। फिलहाल शेष प्रत्याशियों के मामलों को लेकर आगे की प्रक्रिया जारी है और चुनाव प्राधिकरण द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

इंस्टाग्राम पर लड़की से दोस्ती करने पर भड़का युवक, दिल्ली की गोकलपुरी में नाबालिग पर की कई राउंड फायरिंग

पूर्वी दिल्ली। गोकलपुरी इलाके में एक नाबालिग को इंस्टाग्राम पर एक युवती से दोस्ती करना भारी पड़ गया। इस दोस्ती से नाराज होकर युवती के करीबी दोस्त ने अपने तीन साथियों के साथ मिलकर नाबालिग की पिटाई कर दी। धमकाने के लिए नाबालिग पर तीन से चार राउंड गोलियां चला दीं। गनीमत रही कि नाबालिग ने किसी तरह से अपनी जान बचाई। लोगों ने दौड़कर पकड़ा गोलियों की आवाज सुनकर लोग जमा हो गए। पकड़े जाने के डर से आरोपित मौके से भागने लगे। राहगीरों ने हिम्मत दिखाते हुए अमान नाम के एक आरोपित को पकड़ लिया। बाद में उसे पुलिस को सौंप

दिया। गोकलपुरी थाना पुलिस ने 17 वर्षीय नाबालिग की शिकायत पर धमकी देने, मारपीट, आर्म्स एक्ट समेत कई धाराओं में केस दर्ज किया है। युवती से दूर रहने के लिए धमकाया नाबालिग अपने परिवार के साथ इंदिरा विहार रहता है। पुलिस को दी गई शिकायत में बताया कि नाबालिग ने बताया कि इंस्टाग्राम पर उसकी दोस्ती एक युवती से हुई थी। वह एक दूसरे से मिलने लगे थे। एक दिन युवती ने पीड़ित को अपने दोस्त सुहैल से मिलवाया। आरोप है कि सुहैल को जब उनकी दोस्ती के बारे में पता चला तो वह भड़क गया। सुहैल 21 फरवरी को युवती को लेकर पीड़ित के पास गया और युवती से दूर रहने के लिए उसे धमकाया। बाकी साथियों की तलाश जारी पीड़ित ने गाली गलौज का विरोध किया। आरोप है कि सुहैल ने पीड़ित को हत्या की धमकी दी और युवती को लेकर वहां से चला गया। अगले दिन सुहैल अपने तीन दोस्तों के साथ नाबालिग के घर के पास गया। जब नाबालिग किनारा की दुकान से सामान लेने के लिए जा रहा था, उसी बीच उसको घेर लिया। उसके साथ मारपीट की गई। एक आरोपित ने पिस्टल निकाल कर तीन से चार राउंड गोलियां चला दीं। पकड़े गए आरोपित से पूछताछ कर पुलिस उसके बाकी साथियों का पता लगा रही है।

दिल्ली विधानसभा को मिली बम से उड़ाने की धमकी, सर्च ऑपरेशन के बाद निकली अफवाह

नई दिल्ली। राजधानी में सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब दिल्ली विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी मिलने की सूचना सामने आई। यह धमकी ईमेल के जरिए दी गई थी, जिसमें विधानसभा भवन को निशाना बनाने की बात कही गई। दिल्ली विधानसभा की ओर से जारी आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता को उनके पर्सनल ई-मेल आईडी पर धमकी भरा संदेश प्राप्त हुआ। ईमेल में दिल्ली विधानसभा परिसर को बम से उड़ाने की चेतावनी दी गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत संबंधित सुरक्षा एजेंसियों को

सूचित किया गया। विधानसभा अध्यक्ष ने इस संबंध में दिल्ली पुलिस आयुक्त को जानकारी तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की। दोपहर करीब 12 बजे आया ईमेल रिपोर्टर्स इनपुट के अनुसार, करीब दोपहर 12 बजे दिल्ली सचिवालय को ईमेल के जरिए यह धमकी मिली। सूचना मिलते ही पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां सक्रिय हो गईं। विधानसभा परिसर और आसपास के क्षेत्र में सघन तलाशी अभियान चलाया गया। सर्च ऑपरेशन में कुछ संदिग्ध नहीं मिला जांच के दौरान किसी भी प्रकार की संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे परिसर की बारीकी से जांच की, लेकिन बम या विस्फोटक जैसी कोई चीज बरामद नहीं हुई। इसके बाद इस धमकी को प्रारंभिक जांच में फर्जी (हॉक्स) करार दिया गया है।

खालिस्तान समर्थक के नाम से भेजी गई धमकी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह धमकी कथित रूप से खालिस्तान समर्थक के नाम से भेजी गई थी। हालांकि पुलिस अभी ईमेल के स्रोत और भेजने वाले की पहचान करने में जुटी है। साइबर सेल की टीम ईमेल की तकनीकी जांच कर रही है।

धौला कुआं में एयरफोर्स गोल्डन जुबली स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी, बम स्क्वॉड पहुंचा; पुलिस ने शुरू की जांच

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में एक बार फिर स्कूल को बम से उड़ाने की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। धौला कुआं स्थित एयरफोर्स गोल्डन जुबली स्कूल को ई-मेल के जरिए बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। सूचना मिलते ही पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां मौके पर पहुंच गईं और जांच शुरू कर दी गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार स्कूल प्रशासन को संदिग्ध ई-मेल प्राप्त हुआ, जिसमें स्कूल परिसर को बम से उड़ाने की धमकी दी गई थी। मेल मिलते ही प्रशासन ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। बम और डॉग स्क्वॉड कर रहा है जांच सूचना

पर दिल्ली पुलिस, बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वॉड मौके पर पहुंचे। स्कूल परिसर की गहन तलाशी ली जा रही है और सुरक्षा के मद्देनजर एहतियाती कदम उठाए गए। पुलिस ने स्कूल परिसर और आसपास के क्षेत्र को सुरक्षित घेराबंदी में लेकर जांच शुरू की। छात्रों और स्टाफ की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू किए गए हैं। पुलिस ई-मेल के स्रोत का पता लगाने के लिए साइबर टीम की मदद ले रही है। पहले भी मिल चुकी हैं ऐसी धमकियां दिल्ली में पिछले कुछ समय से स्कूलों को बम की धमकी मिलने की घटनाएं सामने आती रही हैं। इससे पहले भी राजधानी के कई निजी और सरकारी स्कूलों को ई-मेल के जरिए धमकी भरे संदेश भेजे गए थे। जांच में अधिकांश मामलों में धमकियां फर्जी पाई गई थीं, लेकिन सुरक्षा एजेंसियां हर बार खतरे को गंभीरता से लेते हुए व्यापक जांच करती हैं। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और ई-मेल भेजने वाले की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही धमकी की सच्चाई स्पष्ट हो सकेगी।

कांग्रेस नेता की कृष्ण हरि की गाड़ी में मिले टीशर्ट-पोस्टर, पांचवां आरोपी गिरफ्तार

दिल्ली : दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित इंडिया एआई समिट के दौरान हुए प्रदर्शन के मामले में दिल्ली पुलिस ने एक महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी और यूथ कांग्रेस के नेता कृष्ण हरि की गाड़ी बरामद कर ली है। इस कार से टी शर्ट और पोस्टर भी मिले हैं। इसके अलावा पुलिस ने यूथ कांग्रेस के एक और प्रदर्शनकारी को गिरफ्तार लिया है। ग्वालियर से जितेंद्र यादव को गिरफ्तार किया। इस घटना के सिलसिले में दिल्ली पुलिस द्वारा की गई यह पांचवीं गिरफ्तारी है। इस मामले में दिल्ली की पटियाला कोर्ट ने पहले ही प्रदर्शन के दौरान गिरफ्तार चार आरोपियों को पांच दिन की कस्टडी में भेजा था। एआई समिट में यूथ कांग्रेस का हंगामा, टी-शर्ट उतारकर नारेबारी एआई इंपैक्ट समिट में शुक्रवार यूथ कांग्रेस कार्यकताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। इससे आयोजन स्थल पर अफरातफरी का माहौल पैदा हो गया। हंगामा जिस वक्त खड़ा हुआ, उस वक्त भारत मंडपम में विदेशी प्रतिनिधिमंडल भी मौजूद था। यूथ कांग्रेस कार्यकर्ता अपने अपने कपड़े उतारकर पीएम इज कंप्रोमाइज के नारे लगा रहे थे। आनन-फानन में पहुंची पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को मौके से हटाया। बेहद सुरक्षित इलाके में हंगामा खड़ा करने पर पुलिस ने मामला दर्ज कर चार प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर लिया। वहीं, दूसरों की पहचान की जा रही है। शुक्रवार दोपहर बाद करीब

12:30 बजे यूथ कांग्रेस कार्यकताओं ने क्यूआर कोड से एआई समिट में प्रवेश किया। वह हॉल नंबर-5 के लॉबी एरिया में पहुंचे। इसे बाद स्वेटर व जैकेट उतारकर वह प्रदर्शन करने लगे। उनकी टी शर्ट पर प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तस्वीरें छपी थीं, जिस पर इंडिया यूएस ट्रेड डील, एपस्टीन फाइल्स और पीएम इज कम्प्रोमाइज्ड जैसे नारे लिखे थे। प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री के खिलाफ नारेबाजी भी कर रहे थे। अचानक शुरू हुए हंगामे आयोजन स्थल पर हडकंप मच गया। सुरक्षा एजेसियों को हाथ-पांव फूल गए। सरकारी अधिकारियों, इंडस्ट्री के नेताओं और विदेशी डेलीगेट्स की भागीदारी वाले इस हाई-प्रोफाइल इंटरनेशनल इवेंट में इस तरह के प्रदर्शन से रोकने के लिए प्रदर्शनकारियों को तुरंत हिरासत में लिया गया और जगह से दूर ले जाया गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर यूथ कांग्रेस के चार कार्यकताओं को गिरफ्तार किया गया।

होली से पहले दिल्ली में मामा के घर घूमने आया था किशोर, बदमाशों ने एक सिगरेट के लिए कर दी हत्या

बाहरी दिल्ली। मंगोलपुरी में किशोर की हत्या के बाद से पीड़ित परिवार में मातम का माहौल है। अपने परिवार और बचपन के दोस्तों के साथ होली मनाने के लिए दो दिन बाद मृतक अपने घर सीतामढ़ी जाने वाला था। इससे पहले किशोर की हत्या कर दी गई। सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद शव लेकर स्वजन सीतामढ़ी के लिए निकल गए हैं। मामा के घर आया था घूमने मृतक के ममेरे भाई मनजेश ने बताया कि किशोर ने होली पर जाने से पहले माता-पिता व बहन के लिए कई सामान खरीदे थे। अपने लिए भी नए-नए कपड़े लिए थे ताकि वह अपनों के साथ खुशी-खुशी होली मना सके। शायद नियति को यह मंजूर नहीं था। परिवार के साथ होली मनाने से पहले ही किशोर की बदमाशों ने जान ले ली। पीड़ित परिवार ने बताया कि किशोर गांव में ही परिवार के साथ रहता था। यहां मंगोलपुरी में मामा के घर घूमने के लिए आया था। आखिरी बार अपनी मां से की थी बात हत्या से करीब दो घंटे पहले ही किशोर ने सीतामढ़ी स्थित अपनी मां से फोन पर बात की थी। बताया था कि दो बाद उनकी ट्रेन है। होली की पूरी खरीदारी भी उसने कर ली है। माता-पिता समेत घर के लिए कई सामान खरीद लिए है। मां ने कुछ अन्य सामान लाने के लिए भी किशोर से कहा था। सोमवार की सुबह वह कई और सामान भी खरीदने वाला था। 1300 किलोमीटर दूर मां अब बेटे के शव के आने का इंतजार कर रही है। मामा ने कहा, बहन को क्या देंगे जवाब यहां मंगोलपुरी में मृतक के मामा के घर में भी मातम का माहौल है। मामी-मामा और ममेरे भाइयों का भी रो-रोकर बुरा हाल है। मामा ने बताया कि आखिर अब हम अपनी बहन को क्या जवाब देंगे। भांजा हमारे यहां घूमने के लिए आया था। हमने ही भांजे को यहां सभी से मिलने के लिए बुलाया था। अब उसकी अचानक से हत्या होने परिवार को कभी कम न होने वाला दर्द दे गया। भांजा यहां न तो किसी को जानता था और नहीं किसी से कोई बातचीत हुई थी। फिर भी जालिमों ने उसकी जान ले ली।

बारातियों का आपस में हो गया झगड़ा, युवक की गोली मारकर हत्या; फरार आरोपितों की तलाश में पुलिस दे रही दबिश

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के वजीराबाद थानाक्षेत्र में रविवार रात यूपी से बारात में आए युवक का बारातियों से झगड़ा हो गया। इस दौरान एक युवक द्वारा की गई फायरिंग में आशीष नामक युवक को गोली लग गई। वारदात में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृतक बागपत के कत्था गांव से बारात में आया था और उसी के कत्था गांव से उसके साथ आए लड़कों से ही उसका झगड़ा हो गया था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और फरार आरोपितों की तलाश में दबिश दी जा रही है।

पटना में नकली दवाएं बनाने वाली तीसरी फैक्ट्री का भंडाफोड़, क्राइम ब्रांच ने मालिक को दबोचा

नई दिल्ली। क्राइम ब्रांच की टीम ने बिहार के पटना में चल रही नकली दवाएं बनाने वाली तीसरी फैक्ट्री का भंडाफोड़ करते हुए मालिक बृजेश को गिरफ्तार किया है। फैक्ट्री से भारी मात्रा में नकली दवाएं और दवाएं बनाने के उपकरण बरामद किए गए हैं। इससे पहले क्राइम ब्रांच ने पटना के रामा कृष्णा नगर और गया में छापेमारी कर भारी मात्रा में नकली कफ सीरप, दवाएं व अन्य केमिकल बरामद किया था। क्राइम ब्रांच के उपायुक्त संजीव कुमार यादव के मुताबिक, इस केस में पिछली गिरफ्तारियों से मिली टेक्निकल और ह्यूमन इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करने और पुलिस कस्टडी में दूसरे आरोपित अरुण जो फिलहाल पुलिस कस्टडी में है उसे इससे पहले बड़े पैमाने पर दवाएं व सिरप की एक अवैध मैन्युफैक्चरिंग यूनिट चलाने के लिए कोआर्डिनेट करते हुए पाया गया था। उससे पूछताछ में पता चला कि बृजेश नामक व्यक्ति नकली दवाएं व सीरप बनाकर उन्हें मार्केट में बेचने और मोटा मुनाफा कमाने के लिए पैकेजिंग करने में शामिल है। सूचना पर एसीपी सतेंद्र मोहन की देखरेख में और इंस्पेक्टर नितेश कुमार के नेतृत्व में टीम गठित की गई। टीम तुरंत पटना पहुंची और आरोपित अरुण की निशानदेही पर बृजेश को अवैध मैन्युफैक्चरिंग व रीपैकेजिंग यूनिट चलाता हुआ पाया गया। इसके पास दवाइयां व वायल बनाने का लाइसेंस नहीं था। फैक्ट्री बिना लाइसेंस, जरूरी मैन्युफैक्चरिंग और एनालिटिकल केमिस्ट की गैर मौजूदगी में चल रही थी।

दिल्ली पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट के पांच सदस्यों को दबोचा, वङ भेजी जाने वाली साइकोट्रोपिक टैबलेट जब्त

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक बड़े अंतरराज्यीय व अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स सिंडिकेट का भंडाफोड़ कर पांच सदस्यों को गिरफ्तार किया है। इस सिंडिकेट द्वारा यूके एक्सपोर्ट किए गए कंटेनर से करीब नौ करोड़ कीमत की 18,47,400 साइकोट्रोपिक टैबलेट जब्त की गईं है। आरोपितों में एक विष्णु दत्त शर्मा ने कंटेनर से घरेलू सामान यूके एक्सपोर्ट करने पर उसमें ट्रामाडोल और अन्य प्रतिबंधित गोलियों के 32 डिब्बे छिपा दिए थे। सूचना मिलने पर क्राइम ब्रांच ने कंटेनर को पकड़ने के लिए कस्टम अधिकारियों के साथ समन्वय कर शिपमेंट यूके में वितरित नहीं होने दिया और उसे वापस भारत मंगवा लिया गया। टी-थ्री टर्मिनल, मुंद्रा पोर्ट, गुजरात में कंटेनर के वापस पहुंचने पर उसे जब्त कर लिया गसा। डीसीपी विक्रम सिंह के मुताबिक सात अक्टूबर को गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने महक अपार्टमेंट, मदनपुर खादर एक्सटेंशन-एक, सरिता विहार से मोहम्मद आबिद को गिरफ्तार कर लिया था। तलाशी में 54,000 ट्रामाडोल हाइड्रोक्लोराइड टैबलेट (ट्रेकेन-100) (वजनः 14.472 किलो) बरामद की गई। उससे पूछताछ और टेक्निकल सर्विलांस के दौरान, गैर-कानूनी फार्मास्यूटिकल नेटवर्क की सप्लाई चेन के बारे में पता चला। इसके बाद कंटेनर टी-3 टर्मिनल, मुंद्रा पोर्ट, गुजरात पर पहुंचकर पुलिस ने कस्टम एसआइटी की उपस्थिति में वेयरहाउस नंबर दो मुंद्रा पोर्ट पर छापा मार साइकोट्रोपिक पदार्थों की भारी बरामदगी।

दिल्ली समेत देशभर में 17 साल बाद बदलेंगे हवा की शुद्धता के मानक, IIT कानपुर ने CPCB को सौंपी रिपोर्ट

नई दिल्ली। दिल्ली और एनसीआर समेत देशभर में सांस लेने वाली हवा कितनी शुद्ध है, इसे मापने वाले पैमानों (राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक) में 17 साल बाद एक बड़ा बदलाव होने की उम्मीद जगी है। वजह, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर ने संशोधित मानकों पर अपनी अंतिम तकनीकी रिपोर्ट केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) को सौंप दी है। इस आशय की पुष्टि स्वयं सीपीसीबी सामाजिक कार्यकर्ता अमित गुप्ता की एक आरटीआइ के जवाब में की है। 2009 के बाद पहली बार संशोधन दकश में वायु गुणवत्ता के मौजूदा मानक आखिरी बार साल 2009 में तय किए गए थे। लंबे समय से विशेषज्ञ इन मानकों को पुराना और स्वास्थ्य के लिए अपर्याप्त बता रहे थे। 19 दिसंबर 2025 के अंक में "16 साल पुराने वायु गुणवत्ता मानकों के जरिये लड़ी जा रही आज के प्रदूषण से जंग" शीर्षक से प्रकाशित खबर में जागरण में भी इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया था। आरटीआई के जवाब में मिली जानकारी के अनुसार, आईआईटी कानपुर को दिसंबर 2021 में इन मानकों की समीक्षा का काम सौंपा गया था। तीन साल में उसे समीक्षा रिपोर्ट दे देनी थी। लेकिन रिपोर्ट सौंपने में लगभग एक साल की देरी हुई और अब आखिरकार सीपीसीबी को यह अंतिम रिपोर्ट मिल गई है। डब्ल्यूएचओ के मानकों से अब भी बहुत पीछे है भारत विशेषज्ञों का कहना है कि भारत में वर्तमान में पीएम 2.5 (हवा में मौजूद सूक्ष्म कण) का 24 घंटे का औसत मानक 60 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर है, जबकि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार यह केवल 15 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर होना चाहिए। इसी तरह वार्षिक मानक में भी भारी अंतर है। नए संशोधनों से उम्मीद है कि भारत अपने मानकों को अंतरराष्ट्रीय स्तर के करीब लाएगा ताकि सार्वजनिक स्वास्थ्य की बेहतर सुरक्षा हो सके। क्यों जरूरी है यह बदलाव? सीसीपीबी के पूर्व अपर निदेशक डा एस के त्यागी और सीपीसीबी के सदस्य डा अनिल गुप्ता के अनुसार कम प्रदूषण स्तर पर भी स्वास्थ्य जोखिम बने रहते हैं। "सेंटर फार रिसर्च आन एनर्जी एंड क्लीन एयर" के मनोज कुमार ने बताया कि वायु गुणवत्ता के मानकों को सख्त करना "राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम" (एनसीएपी) का प्रमुख हिस्सा था, जो काफी समय से लंबित था।

टी20 विश्व कप: टी20 विश्वकप के सुपरआठ में आज होगा इंग्लैंड और पाकिस्तान का मुकाबला

पल्लीकेली (एजेंसी)। इंग्लैंड और पाकिस्तान की टीम आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपर-आठ में मंगलवार को आमने-सामने होंगी। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। इंग्लैंड ने अपने पहले मुकाबले में मेजबान श्रीलंका को हराया है जिससे उसके हौंसले बुलंद हैं। वहीं पाकिस्तान की टीम का पहला मुकाबला न्यूलीलैंड से बारिश के कारण नहीं हो पाया था। अब तक इस टूर्नामेंट में इंग्लैंड का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है।ऐसे में वह खिताब की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। कोलंबो की पिच से धीमे गेंदबाजों को सहायता मिलने की उम्मीद है। पहले ही मैच में श्रीलंका पर 51 रनों की जीत से इंग्लैंड का रन रेट भी बेहतर हुआ है और वह ग्रुप में शीर्ष पर है।

इंग्लैंड को हालातों का भी लाभ मिले। उसने हाल ही में इसी जगह पर तीन मैचों की टी20 सीरीज में खेला था। वहीं सुपर 8 मैच में श्रीलंका को हराया था, जिससे उन्हें मुकाबले से पहले मनोवैज्ञानिक बढ़त मिली है। वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान टीम की बल्लेबाजी बेहद कमजोर है, अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम अब तक असफल रहे हैं। साहिबजादा फरहान के अलावा एक भी बल्लेबाज फार्म में नहीं है। पाक टीम उस्मान तारिक सहित अपने धीमे स्पिरनरों के जरिये इंग्लैंड के बल्लेबाजों पर दबाव बनाने का प्रयास करेगी। टीम के पास उस्मान के अलाव सैम अयूब, अबरार अहमद, शादाब खान और मोहम्मद नवाज जैसे गेंदबाज हैं।

ये पाकिस्तानी गेंदबाज इंग्लैंड की बल्लेबाजों को अपनी फिरकी में फंसाने का पूरा प्रयास करेंगे। खेल के आखिरी स्टेज में पिच और धीमी होने की संभावना है। गेंदबाजों के पक्ष में हालात होने के कारण इस मुकाबले में स्पिन मैच का परिणाम तय करेंगे।

अब तक के आंकड़ों में इंग्लैंड की टीम हावी रही है। दोनो के बीच अब तक 31 मुकाबले हुए हैं। इसमें से इंग्लैंड ने 31 जबकि पाक ने केवल 9 मैच ही जीते हैं।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

इंग्लैंड : हैरी ब्रूक (कप्तान), टॉम बैंटन, जोस बटलर, बेन डकेट, फिल सॉल्ट, जैकब बेथेल, सैम करन, लियाम डॉसन, विल जैक्स, जेमी ओवरटन, रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, आदिल राशिद, जोश टंग, ल्यूक वुड।

पाकिस्तान: सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, बाबर आजम, फहीम अशरफ, फखर जमान, ख्वाजा नफे, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद सलमान मिर्जा, नसीम शाह, साहिबजादा फरहान, सैम अयूब, शाहीन शाह अफरीदी, शादाब खान, उस्मान खान, उस्मान तारिक।

पाक स्पिनर तारिक के एक्शन को लेकर दो खेमों में बंटे दिग्गज, अंपायर चौधरी ने भी उठाये सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी टी20 विश्वकप में इस बार पाकिस्तान के स्पिनर उस्मान तारिक अपनी विवादस्पद गेंदबाजी के कारण निशाने पर हैं। तारिक गेंदबाजी के दौरान ही बीच में रुक जाते हैं जिससे बल्लेबाज संशय में फंस जाते हैं। उनके गेंदबाजी एक्शन पर कई दिग्गज क्रिकेटरों ने सवाल उठाये हैं हालांकि अभी तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने इस गेंदबाज पर कोई कार्रवाई नहीं की है। ऐसे में क्रिकेट जगत दो गुटों में बंट गया है। एक का मानना है कि तारिक की गेंदबाजी जादुई है वहीं दूसरे गुट का मानना है जिस प्रकार से ये गेंदबाज पूरी बांह वाली टी शर्ट पहनकर गेंदबाजी कर रहा है उसमें कुछ गड़बड़ है। ऐसे में आईसीस नॉकआउट मुकाबलों से पहले आईसीसी को इस गेंदबाज के एक्शन की जांच करनी चाहिये।

अंपायर अनिल चौधरी ने भी इस स्पिनर के एक्शन पर सवाल उठाते हुए कहा कि आंखिर वह पूरी बांह वाली टी-शर्ट ही क्यों पहने रहता है ? साथ ही कहा कि तारिक का मैदान पर और मैदान के बाहर हमेशा फुल टी-शर्ट पहनना समझ से परे है। इसके पीछे कुछ राज है। साथ ही कहा, 'जब कोई गेंदबाज भीषण गर्मी में भी अपनी आस्तीन नीचे नहीं करता और अभ्यास सत्र में भी हाफ टी-शर्ट पहनने से बचता है, तो मन में आशंका होना स्वाभाविक है। वह अपनी कोहनी के पास से क्या छुपाना चाहता है। हमने पहले भी देखा है कि संदिग्ध एक्शन वाले गेंदबाज कोहनी के मुड़ाव को छिपाने के लिए पूरी बांह की टी शर्ट पहनने रहे हैं। चौधरी के सोशल मीडिया पर उठाये इस सवाल के बाद पाक स्पिनर के एक्शन को लेकर बहस तेज हो वहीं एक दिग्गज पूर्व विकेटकीपर ने कहा कि इस गेंदबाज का बचाव करते हुए कहा कि उसकी गेंदबाजी में जो विविधता है, वो लंबे समय बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में देखने को मिली है. उन्होंने कहा, 'उनकी गेंद को विकेट के पीछे से देखना काफी अच्छा अनुभवी है। वो जिस तरह से फ्लाइट देते हैं और अचानक गेंद को तेज़ी से टर्न कराते हैं, वो काबिले-तारीफ है। अंपायरों को सबूतों पर बात करनी चाहिए, सिर्फ कपड़ों पर नहीं। इस बार पाक के सुपर-8 में पहुंचने में तारिक की अहम भूमिका रही है। उन्होंने अहम मौकों पर बड़े विकेट लेकर अपनी टीम को जीत दिलाई है। इस गेंदबाज ने अभी तक किसी भी बायोमैकेनिकल टेस्ट में अपनी कोहनी की जांच नहीं करायी है। ऐसे में अगर जांच में उनकी कोहनी 15 डिग्री से अधिक मुड़ती दिखी तो उनपर प्रतिबंध लगना तय है।

भारत और जिम्बाब्वे में विश्वकप फाइनल देखना चाहते हैं द्रविड़

मुंबई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर राहुल द्रविड़ के अनुसार भारतीय टीम विश्वकप फाइनल में पहुंचने की प्रबल दावेदार है। द्रविड़ के अनुसार इस टूर्नामेंट में अब तक भारतीय टीम का प्रदर्शन अच्छा रहा है। सबसे अधिक सकारात्मक बात ये है कि टीम किसी एक खिलाड़ी पर निर्भर रही है। टीम में गहरायी है और उसका हर खिलाड़ी मैच का रुख मोड़ सकता है। साथ ही कहा कि दूसरी टीम के तौर पर अगर जिम्बाब्वे से फाइनल में भारत का मुकाबला होता है तो उन्हें खुशी होगी। उन्होंने कहा कि जिम्बाब्वे ने इस बार काफी अच्छा खेल देखाया है और वह भी फाइनल में खेलने की दावेदार बनकर उभरी है। उन्होंने कहा कि भारतीय टीम को अपनी मैच योजनाओं पर बने रहना चाहिए।

द्रविड़ ने से कहा, 'मुझे लगता है कि हम कुछ खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं हैं। हमारे पास टीम में गहराई है। तो आप उम्मीद कर सकते हैं कि यह गहराई निखरकर सामने आएगी। टी20 क्रिकेट में कुछ भी तय नहीं होता है। यह खेल का सबसे अस्थिर फॉर्मेट है, और किसी भी दिन, जैसा मैंने कोच के रूप में भी सीखा है, आप हार सकते हैं। इसलिए अपनी योजनाओं रहो, जो कर सकते हो करो और अच्छे की उम्मीद करो,।' टी20 विश्वकप में इस बार जिम्बाब्वे ने ऑस्ट्रेलिया को ग्रुप मैच में जिस प्रकार से हराया है,उससे उसके हौंसले बुलंद हैं। इसके बाद उसने श्रीलंका को भी हराया। द्रविड़ ने कहा, 'अगर यह जिम्बाब्वे फाइनल में पहुंचता है तो उसके क्रिकेट के लिए ये अच्छा अनुभव होगा। अगर जिम्बाब्वे फाइनल में पहुंचता है तो यह काफी अच्छा होगा। मैं चाहूंगा कि भारत के साथ कोई छोटी टीम भी फाइनल में पहुंचे। यह बहुत अच्छा होगा।' द्रविड़ ने कहा कि इस बार एसोसिएट देशों ने भी काफी अच्छा प्रदर्शन कर सभी टेस्ट देशों को कड़ी टक्कर दी है। पाकिस्तान को नीदरलैंड्स से जबकि भारत को अमेरिका ने कड़ी टक्कर दी। उन्होंने कहा कि इस बार जिस प्रकार छोटी टीमों ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट की बड़ी टीमों को अच्छी चुनौती दी उससे मुकाबलों का रोमांच बढ़ गया है। जिस प्रकार से इन टीमों ने खेला है,उससे मुझे काफी अच्छा लगा। इससे एसोसिएट देशों की प्रतिभा सामने आ रही है। इन सभी टीमों ने अच्छी अच्छा खेला है हालांकि मामुली अंतर से ये सुपर-8 में क्वालिफाई न कर पायी हैं पर भविष्य इनका काफी अच्छा है। इन टीमों के पास कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं।

टी20 विश्व कप: दक्षिण अफ्रीका से शर्मनाक हार के बाद चेन्नई पहुंची टीम इंडिया, अब करो या मरो का मुकाबला

चेन्नई (एजेंसी)। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम सोमवार को चेन्नई पहुंच गई। टीम 26 फरवरी को एमए चिदंबरम स्टेडियम में जिम्बाब्वे के खिलाफ आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 के सुपर 8 के अपने दूसरे मैच के लिए चेन्नई में तैनात है। सूर्यकुमार यादव की अगुवाई वाली भारतीय टीम को रविवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए टी20 विश्व कप 2026 के पहले सुपर 8 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका के हाथों 76 रनों की करारी हार का सामना करना पड़ा।

इस बड़ी हार के साथ ही भारत को आईसीसी क्रिकेट के सभी श्वेत-गेंद प्रारूपों में 18 मैचों में पहली हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले 2023 विश्व कप के फाइनल में भी भारत को इसी मैदान - नरेंद्र मोदी स्टेडियम - पर ऑस्ट्रेलिया से हार मिली थी। टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में रनों के अंतर से यह भारत की दूसरी सबसे बड़ी हार थी। इससे पहले 2019 में वेलिंगटन में न्यूजीलैंड के खिलाफ 80 रनों की हार हुई थी। टी20 विश्व कप के इतिहास में भारत को अपनी सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा।

मैच की बात करें तो, डेविड मिलर (63) और देवाल्ड ब्रेविस (45) की चौथी विकेट के लिए शानदार 97 रनों की साझेदारी की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने 20 ओवरों में 187/7 रन बनाए। ट्रिस्टन स्टब्स ने तेज गति से खेलते हुए नाबाद 44 रन बनाए। भारत की ओर से अर्शदीप सिंह (2/28), जसप्रीत बुमराह (3/15), वरुण चक्रवर्ती (1/47) और शिवम दुबे (1/32) ने विकेट लिए। 188 रनों का बचाव करते हुए दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजों ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन किया। भारतीय बल्लेबाजों में से कोई भी अर्धशतक नहीं बना सका। शिवम दुबे ने 42 रन बनाकर सर्वोच्च स्कोर किया और भारत ने मौजूदा चैंपियन को 18.5 ओवरों में मात्र 111 रनों पर ऑल आउट कर दिया और भारतीय टीम को 76 रनों से हरा दिया।

भारत के लिए अर्शदीप सिंह (2/28), जसप्रीत बुमराह (3/15), वरुण चक्रवर्ती (1/47) और शिवम दुबे (1/32) ने विकेट लिए। दक्षिण अफ्रीका के लिए कप्तान एडेन मार्कराम (1/5), मार्को जानसेन (4/22), केशव महाराज (3/24) और कॉर्बिन बॉश (2/12) ने गेंद से शानदार प्रदर्शन किया।

वरुण ने अर्शदीप का रिकार्ड तोड़ा : लगातार 18 पारियों में विकेट लेने वाले पहले भारतीय बने

अहमदाबाद ।भारतीय क्रिकेट टीम के मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मैच में एक विकेट लेते ही एक नया रिकार्ड बनाया है। वरुण अब लगातार 18 पारियों में विकेट लेने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गये हैं। वरुण लगातार 18 पारियों में भारत के लिए विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने इसके साथ ही तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह को पीछे छोड़ा। अर्शदीप सिंह ने साल 2024-25 में लगातार 17 पारियों में विकेट लेने का रिकार्ड बनाया था। वहीं वरुण चक्रवर्ती ने 2025-26 के बीच अब तक कुल 18 पारियों में एक या उससे अधिक विकेट लिए हैं। इसी सूची में तीसरे नंबर पर पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा है। नेहरा ने साल 2016 में 13 पारियों में एक या उससे अधिक विकेट लिए थे।

अब हमारा लक्ष्य टी20 विश्वकप जीतना : मंधाना

केनबरा। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप कप्तान स्मृति मंधाना ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में मिली सफलता से टीम का मनोबल बढ़ा है और अब उसका लक्ष्य आगामी टी20 विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट जीतना है। महिला टी20 विश्व कप इंग्लैंड और वेल्स में 12 जून से पांच जुलाई तक आयोजित किया जाएगा। मंधान ने कहा है टीम काफी अच्छा खेल रही है और उसकी सभी खिलाड़ी लय में हैं। टीम ने जिस प्रकार से एकदिवसीय विश्वकप जीता था, उसी तर्ज पर अब वह टी20 विश्वकप जीतना चाहती है। मंधाना ने कहा ''मुझे लगता है कि हम एक ऐसे बदलाव के दौर में हैं जहां हम विश्व क्रिकेट पर अपना प्रभाव बनाना चाहते हैं। हम किसे हराते हैं, कहां हराते हैं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। हम बस उन्हें लगातार हराने और शीर्ष पर बने रहने में सफल होना चाहते हैं।''ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ श्रृंखला के तीसरे और अंतिम टी20 मैच में मंधाना ने 82 रन रन बनाये जिससे भारतीय टीम को आसानी से जीत मिली। मंधाना ने कहा, ''मुझे एडिलेड शहर बहुत पसंद है। यहां खेलने से पहले भी मुझे यहां शहर पसंद था। यह बहुत शांत और सुंदर शहर है।।''

भारतीय टीम की हार से गंभीर की लचर रणनीति पर फिर उठे सवाल

अहमदाबाद । टी20 विश्वकप क्रिकेट के सुपर आठ के पहले ही मैच में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारतीय टीम की करारी हार के लिए खिलाड़ियों के खराब प्रदर्शन के साथ ही कोच गौतम गंभीर की रणनीति पर भी सवाल उठ रहे हैं। जानकारों का मानना है कि टीम के खराब प्रदर्शन के लिए गंभीर की लचर योजनाएं भी जिम्मेदार हैं।

मैच केवल मैदान पर नहीं खेला जाता बल्कि उससे कहीं ज्यादा दिमाग में खेला जाता है। टीम प्रबंधन ने यहां गलती कर दी। इसी कारण ग्रुप स्तर पर सभी मैच जीतने वाली टीम धीमी और काली मिट्टी के विकेट पर विफल रही। इस मैच में अंगुल के स्पिनरों के खिलाफ भारतीय बल्लेबाज सहज नहीं दिखे। न तो भारतीय टीम प्रबंधन की योजनाओं में स्पष्टता दिखी और न वह उन्हें अमल में ला पायी। यहां तक की पारी की शुरुआत कौन करेगा। ये भी अंत तक तय नहीं था। गंभीर अपने सबसे बेहतरीन 11 खिलाड़ी उतारने की बजाय लगातार प्रयोग करते दिखे। वह भी ऐसे समय तब कि एक ही टीम उतारी जानी चाहिये। मैच में उपकप्तान अक्षर पटेल की जगह पर अंतिम ग्यारह में वाशिंगटन सुंदर को उतरा गया। सुंदर बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनो में विफल रहे। टीम में चयनित खिलाड़ी को ही अंत तक पता नहीं होता है कि वह अंतिम ग्यारह में है कि नहीं। इससे उनकी तैयार भी प्रभावित होती है जबकि विश्वकप खेलते समय टीम पहले से ही तय कर ली जाती है और वही पूरे समय खेलती है।

एफआईएच प्रो लीग: स्पेन के खिलाफ आज जीत की पटरी पर लौटना चाहेगी टीम इंडिया, साख दांव पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछले मैच में जुझारु प्रदर्शन करने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम मंगलवार को यहां स्पेन के खिलाफ होने वाले मैच में वापसी करके एफआईएच प्रो लीग में अपने अभियान को पटरी पर लाने की कोशिश करेगी। नौ टीमों के इस टूर्नामेंट में अब तक भारत का प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। राउरकेला और होबार्ट में खेले गए दोनों चरणों में भारत को पांच हार का सामना करना पड़ा जबकि एक मैच उसने ड्रॉ खेला।

कोच क्रेग फुल्टन आलोचनाओं का सामना कर रहे

टीम के इस लचर प्रदर्शन के कारण कोच क्रेग फुल्टन पर दबाव बढ़ गया है जो लगातार आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं। नियमित कप्तान हरमनप्रीत सिंह के व्यक्तिगत कारणों से होबार्ट चरण से हटने के बाद युवा मिडफील्डर हार्दिक सिंह को कप्तानी सौंपी गई। होबार्ट चरण में स्पेन से पहला मैच 0-2 से हारने के बाद भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 2-2 से ड्रॉ पर रोक दिया था लेकिन उसे पेनल्टी शूटआउट में 4-5 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम हालांकि इस मैच से वर्तमान टूर्नामेंट का पहला अंक हासिल करने में सफल रही थी।

भारतीय टीम अब स्पेन के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रतिबद्ध होगी। इन दोनों टीमों के बीच वर्षों से कड़ी प्रतिस्पर्धा रही है, जिसमें दोनों ने एक दूसरे को समान रूप से टक्कर दी है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत एक समय जीत की स्थिति में था। अमित रोहिदास और जुगराज सिंह के गोल की बदौलत भारत ने 2-0 की बढ़त हासिल कर ली थी, लेकिन मैच के अंत में गोल खाने की वही पुरानी समस्या फिर से सामने आ गई। ऑस्ट्रेलिया की टीम ने जोरदार वापसी करते हुए पेनल्टी शूटआउट में मैच जीत लिया।

इससे पहले राउरकेला में खेले गए चारों मैचों में भारत की हार को देखते हुए इस टीम का अच्छा प्रदर्शन माना जा सकता है। राउरकेला में भारत को अर्जेंटीना से 0-8 की करारी शिकस्त भी मिली थी। पिछले मैच में शिलानंद लाकड़ा ने भी शानदार खेल का प्रदर्शन किया। उनकी तेज दौड़ और रिवर्स-हिट ने ऑस्ट्रेलियाई गोलकीपर को चकमा दे दिया, हालांकि बैक-स्टिक के इस्तेमाल के कारण उनके इस गोल को अमान्य घोषित कर दिया गया। युवा आदित्य ललागे ने भी अपनी छाप छोड़ी। भारतीय टीम को अपनी प्रतिष्ठा बचाने के लिए अब अच्छा प्रदर्शन करना ही होगा क्योंकि नौ टीमों वाली एफआईएच प्रो लीग तालिका में वह छह मैचों में सिर्फ एक अंक के साथ आठवें स्थान पर है। भारत के पीछे केवल पाकिस्तान है जिसने अब तक अपने सभी आठ मैच हारे हैं और अभी तक अपना खाता नहीं खोला है। होबार्ट चरण में भारतीय टीम स्पेन के बाद ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतिम मैच खेलेगी।

इसके बाद जून में यूरोप में मुकाबले होंगे, जहां भारत नीदरलैंड, बेल्जियम और इंग्लैंड में खेलेगा। लेकिन उससे पहले भारत का तात्कालिक लक्ष्य अंक हासिल करना और तालिका में आगे बढ़ना होगा। बेल्जियम (आठ मैच, 22 अंक) तालिका में अभी सबसे आगे है। उसके बाद ऑस्ट्रेलिया (सात मैच, 20 अंक) और अर्जेंटीना (आठ मैच, 17 अंक) का नंबर आता है। जापान में होने वाले एशियाई खेलों से पहले एफआईएच प्रो लीग में दमदार प्रदर्शन बेहद महत्वपूर्ण होगा। एशियाई खेल लॉस एंजिलिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाइंग टूर्नामेंट भी है।

किदांबी श्रीकांत जर्मन ओपन में भारतीय चुनौती की करेंगे अगुवाई

मुलहेम एन डेर रूर (जर्मनी)। दुनिया के पूर्व नंबर वन किदांबी श्रीकांत मंगलवार से मुलहेम एन डेर रूर के वेस्टएनर्जी स्पोटहॉल में शुरू होने वाले जर्मन ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती अगुवाई करेंगे। पुरुषों की एकल बैडमिंटन रैंकिंग में 32वें स्थान पर काबिज किदांबी श्रीकांत, इस साल की शुरुआत में इंडिया ओपन और इंडोनेशिया मास्टर्स में दो क्वार्टर-फाइनल से बाहर होने के बाद जर्मन ओपन में उतरेंगे। उन्हें आखिरी बार इस महीने की शुरुआत में बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप में खेलते हुए देखा गया था, जहां उन्होंने भारत के लिए अपने दोनों एकल रबर जीते थे। पुरुषों के एकल मुख्य ड्रॉ में किदांबी श्रीकांत के साथ उनके हमवतन किरण जॉर्ज और थारुन मन्नेपल्ली भी होंगे। ओलंपियन और दुनिया के नंबर 5 खिलाड़ी फ्रांस के क्रिस्टो पोपोव पुरुष एकल में टॉप सीड हैं और पहले राउंड में किरण जॉर्ज से भिड़ेंगे। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु की गैरमौजूदगी में दुनिया की नंबर 40 तन्वी शर्मा महिला सिंगल्स में भारत की कमान संभालेंगी। तन्वी शर्मा, जो पिछले साल BWF वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप और यूएस ओपन में उप विजेता रही थीं, उनके साथ महिला एकल के मुख्य ड्रॉ में तस्नीम मीर, मालविका बंसोड़, रक्षिता रामराज और इशारानी बरुआ होंगी। महिला युगल के मुख्य ड्रॉ में भारत की अकेली जोड़ी अश्विनी भट और शिखा गौतम हैं।

सूर्यकुमार ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार पर निराश जताई, बोले अगले मैचों से वापसी करेंगे

अहमदाबाद (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 विश्व कप के सुपर-8 मुकाबले में मिली हार पर निशाना जताते हुए कहा कि उनकी टीम अगले मैच के साथ ही अच्छी वापसी करेगी। भारतीय टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ इस मैच में करारी हार का सामना करना पड़ा है जिससे उसके आगे के सफर पर भी सवाल उठ रहे हैं। अब भारतीय टीम को अपने बचे हुए दोनो ही सुपर-8 बैच बड़े अंतर से जीतने होंगे। हार के बाद सूर्यकुमार ने प्रशंसकों को टूर्नामेंट में वापसी का भरोसा दिया।

मैच के बाद उन्होंने कहा, 'जब हमने मैच शुरू किया तब से ही हमे उसमें बने हुए थे। हमने शुरुआत में अच्छी गेंदबाजी की पर बीच के ओवरों में विरोधी टीम ने अच्छी बल्लेबाजी कर अपनी स्थित सुधार ली। उसके बाद भी हमारे गेंदबाजों ने विरोधी टीम को खुलकर खेलने का अवसर नहीं दिया। उसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए हम अच्छी शुरुआत नहीं कर पाये। साथ ही कहा कि आप पावरप्ले में गेम नहीं जीत सकते पर अपनी गलतियों से हार सकते हैं और यही इस मैच में हुआ। हमने पावरप्ले में कई विकेट खोए और उसके बाद हम छोटी-छोटी साझेदारी भी नहीं बना पाए हालांकि ये सब सब कुछ खेल का हिस्सा होता है। हम इससे सबक लेते हुए अगले मैच में गलतियों से बचेंगे। हमारा लक्ष्य बचे हुए दोनो ही मैच जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाना रहेगा।'

इस मैच मे दक्षिण अफ्रीका से मिले 188 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 18.5 ओवर में 111 रन ही बना पायी। भारत की ओर से शीर्ष क्रम असफल् रहा केवल शिवम दुबे ही 42 रन बना पाये। वहीं अन्य बल्लेबाज 20 रनों से अधिक नहीं बना पाये। वहीं दक्षिण अफ्रीका की तरफ से डेविड मिलर और डेवाल्ड ब्रेविस ने 45 रन बनाये। इन दोनो के बीच 97 रनों की साझेदारी से दक्षिण् अफ्रीका एक अच्छा स्कोर बनाने में सफल रही। ने 20 रन पर तीन विकेट

सूर्यकुमार ने तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह की अच्छी गेंदबाजी की सराहतना की। उन्होंने कहा,हर कोई जानता है कि इन दोनो की गेंदबाजी कितनी घातक रही है। दोनों ने आठ ओवर गेंदबाजी करते हुए पांच विकेट लिए और केवल 45 से 50 रन दिए। बुमराह ने 15 रन पर देकर तीन विकेट जबकि अर्शदीप सिंह ने 28 रन देकर दो विकेट लिए। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। सलामी बल्लेबाज ईशान किशन पहले ही ओवर में शून्य पर आउट हो गए। दूसरे ओवर में तिलक वर्मा भी पेवेलियन लौट गये। अभिषेक शर्मा इस मैच में खाता तो खोल पाए पर अधिक नहीं टिक पाये। इसके बाद बाकि बल्लेबाज भी एक के बाद एक पेवेलियन लौट गये। इस मैच में जीत से दक्षिण अफ्रीका को 2 अंक मिले हैं जबकि भारतीय टीम को एक भी अंक नहीं मिला।

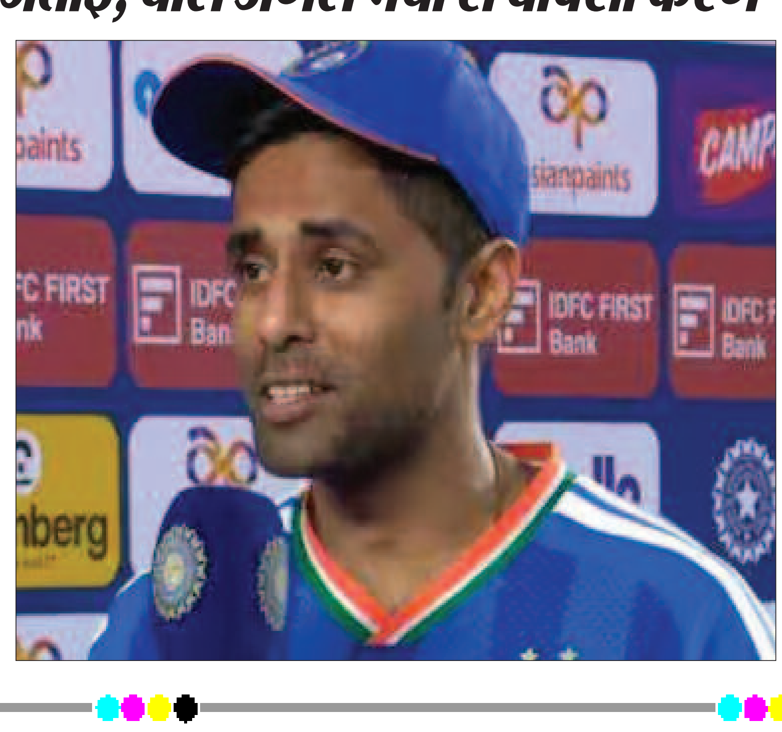

विश्वकप अंक तालिका में पाकिस्तान से भी पिछड़ी भारतीय टीम

मुम्बई । आईसीसी टी20 विश्वकप में ग्रुप स्तर पर धमाकेदार प्रदर्शन कर शीर्ष पर रही भारतीय टीम सुपर-आठ के पहले ही मैच में दक्षिण अफ्रीका के हाथों करारी हार के बाद अंक तालिका में पिछड़ती दिख रही है। इससे उसके सेमीफाइनल की उम्मीदें भी कम हो रही हैं। पहले सुपर-8 मैच के बाद भारतीय टीम पाकिस्तान से भी पीछे है। न्यूजीलैंड से पहला सुपर-8 मुकाबला बारिश की वजह से रद्द होने के बाद पाक को एक 1 अंक मिला है पर भारतीय टीम के पास एक भी अंक नहीं है। ऐसे में एक और हार से वह टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी। अंतिम चार में जगह बनाने के लिए अब भारतीय टीम को अपने बाकी दो सुपर 8 मुकाबलों में जिम्बाब्वे और वेस्टइंडीज के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करनी होगी. भारतीय टीम अपना दूसरा सुपर 8 मुकाबला गुरुवार 26 फरवरी को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलेगी. वहीं एक मार्च को वेस्टइंडीज के खिलाफ कोलकाता के ईडन गार्डन्स में उतरेगी। अगर भारतीय टीम अपने शेष दो मैचों में से एक भी हार जाता है, तो उसका खिताबी सफर सुपर 8 स्टेज में ही समापत हो जाएगा, क्योंकि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हार के बाद टीम इंडिया का नेट रन रेट काफी नीचे चला गया है।

‘लोका 2’ पर कल्याणी प्रियदर्शन ने दिया अपडेट

पिछले साल मलयालम फिल्म ‘लोका चैप्टर 1’ ने दर्शकों को हैरान किया। फिल्म की कहानी वुमन सुपरहीरो चंद्रा पर थी। बॉक्स ऑफिस पर भी इसने कमाल का कलेक्शन किया। अब इसका दूसरा पार्ट भी बनने वाला है। फिल्म को लेकर लीड एक्ट्रेस कल्याणी प्रियदर्शन ने अपडेट दिया है।

जल्द शुरू होगी शूटिंग

हाल ही में एक इवेंट में कल्याणी प्रियदर्शन शामिल हुईं। इस दौरान ही एक्ट्रेस ने ‘लोका 2’ को लेकर बात की। वह कहती हैं, ‘फिल्म ‘लोका 2’ की स्क्रिप्ट पर काम चल रहा है। उम्मीद है कि शूटिंग सितंबर से शुरू होगी। मैं फिल्म का हिस्सा हूं। आप फिल्म का इंतजार करें।’

क्या थी कहानी?

मलयालम फिल्म ‘लोका’ एक वुमन सुपरहीरो की कहानी थी। इसमें चंद्रा नाम की एक लड़की है, जिसमें पास कुछ सुपरपावर होती हैं। वह बेंगलुरु में रहने आती है और असहाय पुरुष और महिलाओं को मुश्किलों से बचाती है। वह उड़ सकती है, उसके पास लड़ने की असीम क्षमता, ताकत है। इस फिल्म का एक्शन, ड्रामा दर्शकों को पसंद आया है। इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी अच्छाई कमाई की थी।

फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर की छप्परफाड़ कमाई

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार फिल्म ‘लोका’ का बजट 33 करोड़ रुपये है। इस फिल्म ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर ग्रास 183.96 करोड़ रुपये कमाए थे। इस फिल्म को कई एक्ट्रेस से सराहा। इस पहली वुमन सुपरहीरो मूवी कहा।

प्रियंका चोपड़ा ने बॉलीवुड से हॉलीवुड तक पहुंचने के अपने संघर्ष पर चर्चा की

ग्लोबल आइकन प्रियंका चोपड़ा हाल ही में सालाना हार्वर्ड इंडिया कॉन्फ्रेंस में शिरकत करने पहुंचीं। यहां उन्होंने अपने देश और बॉलीवुड से हॉलीवुड तक पहुंचने के अपने सफर पर चर्चा की। उन्होंने अपने संघर्ष के बारे में बताया। साथ ही वे हॉलीवुड तक पहुंचीं, इसका क्रेडिट ऐश्वर्या राय और इरफान खान सरीखे सितारों को दिया। प्रियंका का कहना है कि इन सितारों ने हॉलीवुड के रास्ते खोले।

प्रियंका ने शेयर किया इमोशनल नोट

प्रियंका चोपड़ा ने हार्वर्ड इंडिया कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए अपने करियर और हॉलीवुड तक के सफर का भी जिक्र किया। इस दौरान उन्होंने हॉलीवुड में रास्ता बनाने का क्रेडिट ऐश्वर्या राय, इरफान खान और मिंडी कालिंग को दिया। उन्होंने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट भी शेयर किया है। इसमें अपनी करियर जर्नी पर एक इमोशनल नोट लिखा है।

इन हस्तियों ने दूसरों के लिए रास्ते आसान बनाए

प्रियंका चोपड़ा ने यह स्वीकार किया कि किस तरह एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय, दिवंगत एक्टर इरफान खान और अमेरिकन एक्टर–कॉमेडियन मिंडी कालिंग के सफर ने हॉलीवुड में उनके अपने करियर में योगदान दिया। उन्होंने इन पर्सनैलिटीज को ट्रेलब्लेजर बताया, जिनकी कामयाबियों ने दूसरों के लिए रास्ते तैयार किए। उनके नक्शेकदम पर चलना मुमकिन बनाया।

प्रियंका ने जाहिर किया उत्साह

प्रियंका चोपड़ा ने साझा किए गए पोस्ट के साथ लिखा है, ‘मेरे दिन की शुरुआत ऐसे हुई। मुझे अपनी सबसे करीबी दोस्तों और बिजनेस पार्टनर अंजुला आचार्य के साथ मशहूर हार्वर्ड बिजनेस स्कूल में इंडिया वीक खत्म करने के लिए एक फायरसाइड कीनोट एड्रेस देना था। टॉपिक था ‘जैसा इंडिया हम सोचते हैं’। यहां ऑडियंस में देखते हुए मेरे मन में बस एक ही ख्याल आया, ‘तुम वही इंडिया हो, जिसकी मैंने कल्पना की थी’। प्रियंका चोपड़ा के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे फिल्म ‘वाराणसी’ में नजर आएंगी।

कैनेडी को लेकर सनी लियोनी के दिल में बैठा डर, अभिनेत्री ने तोड़ी चुप्पी

फिल्म इंडस्ट्री में अक्सर बड़े नामों से जुड़ा प्रोजेक्ट कलाकारों के लिए एक सपने जैसा होता है। ऐसा ही अनुभव अभिनेत्री सनी लियोनी ने साझा किया। अपनी अपकमिंग स्ट्रीमिंग फिल्म ‘कैनेडी’ को लेकर सनी लियोनी ने बताया कि इसका हिस्सा बनने पर उन्हें आखिरी दिन तक यकीन नहीं हो रहा था। उन्हें हमेशा रिप्लेस होने का डर रहा। सनी लियोनी इन दिनों अनुराग कश्यप के निर्देशन में बनी ‘कैनेडी’ की रिलीज को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म को 2023 में कान फिल्म फेस्टिवल में दिखाया गया था। इसके अलावा, फिल्म ने कई इंटरनेशनल फेस्टिवल्स में सराहना प्राप्त की है। सनी ने कहा, ‘ ’जब मुझे इस फिल्म का ऑफर मिला, तो मैं काफी हैरान थी। मुझे भरोसा ही नहीं था कि मैं इस फिल्म का हिस्सा बन गई हूं। ट्रायल्स, वर्कशॉप्स और मीटिंग्स सब कुछ होने के बावजूद, मेरे मन में यह डर बना रहा कि कहीं आखिरी समय पर मुझे फिल्म से रिप्लेस न कर दिया जाए।’’

उन्होंने कहा, ‘ ’एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में चीजें पल भर में बदल जाती हैं। मैंने कई बार ऐसा देखा है कि सब कुछ तय होने के बाद भी कलाकार बदल दिए जाते हैं। इसी वजह से मुझे तब तक चैन नहीं मिला, जब तक मैंने सेट पर पहुंचकर कैमरे के सामने शॉट नहीं दिया। पहला सीन शूट होने और फिर अगला सीन शुरू होने के बाद मुझे यकीन हुआ कि अब शायद उन्हें रिप्लेस नहीं किया जाएगा।’’ सनी लियोनी ने कहा, ‘ ’पहला शॉट ओके होने के बाद मेरे मन में एक अलग ही सुकून था। मुझे लगा कि मैंने अपना काम ठीक से किया है और शायद यही वजह है कि टीम अब मुझ पर भरोसा कर रही है।’’

फिल्म ‘कैनेडी’ में सनी लियोनी चार्ली नाम की लड़की का किरदार निभा रही हैं। अपने किरदार के एक खास सीन का जिक्र करते हुए सनी ने बताया कि यह सीन एक होटल रूम में शूट हुआ है, जहां मेरा किरदार चार्ली एक पुलिस ऑफिसर का इंतजार करती है। वह डरी हुई है, परेशान है और वहां रहना नहीं चाहती, लेकिन उसे पता है कि आगे क्या होने वाला है। इस सीन में बाथरूम से बाहर आकर चेहरे पर नकली मुस्कान लाना, उनके लिए भावनात्मक रूप से चुनौतीपूर्ण रहा। सनी ने कहा, ‘ ’यह सीन आम जिंदगी से जुड़ा हुआ है। कई बार हम सब भी ऐसे हालात से गुजरते हैं, जहां अंदर से टूटे हुए होते हैं, लेकिन बाहर से मुस्कुराना पड़ता है। यही वजह है कि यह सीन मेरे लिए बेहद खास है।’’

एक्ट्रेस प्रिया प्रकाश वारियर ने अजित कुमार के लिए लिखा खास नोट

मलयालम एक्ट्रेस प्रिया प्रकाश वारियर ने हाल ही में तमिल सुपरस्टार अजित कुमार के लिए एक खास नोट शेयर किया है। फिल्म ‘गुड बैड अगली’ में उनके साथ काम कर चुकीं प्रिया उन्हें चीयर करने पहुंची थी। इसी की कुछ तस्वीरें और वीडियो शेयर कर उन्होंने अजित के लिए कुछ खास लिखा। प्रिया ने अबू धाबी के यास मरीना सर्किट से कुछ तस्वीरें और वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए लिखा, ‘प्योर पैशन, डिसिप्लिन और निडर समर्पण... जिस तरह वह जिंदगी और रेसिंग दोनों में बेहतरीन बनने की कोशिश करते हैं, वह बेहद प्रेरित करने वाला है। असली महानता अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाने, विनम्र रहने और अपने जुनून को कभी न छोड़ने में है। अजित सर, मुझे बुलाने के लिए धन्यवाद! आपके और आपकी शानदार टीम के साथ रहना बहुत खास लगा। हम आपके लिए चीयर कर रहे हैं।’ बता दें, अजित कुमार इन दिनों अपनी रेसिंग टीम के साथ इंटरनेशनल कार रेसिंग प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले रहे हैं। प्रिया से पहले तमिल स्टार शिवकार्तिकेयन भी अबू धाबी पहुंचकर अजित और उनकी टीम से मुलाकात कर चुके हैं।

इस फिल्म में नजर आएंगी प्रिया

एक्ट्रेस प्रिया प्रकाश वारियर हाल ही में निर्देशक अखिल सथ्यान की फिल्म ‘सर्वम माया’ में कैमियो रोल में नजर आई थीं। इस फिल्म में उनके साथ निविन पॉली और रिया शिबू भी अहम भूमिकाओं में थे। अब खबर है कि प्रिया जल्द ही हीस्ट थ्रिलर फिल्म ‘3 मंकीज’ में दिखाई देंगी, जिसे डायरेक्टर जोड़ी अब्बास–मस्तान बना रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस मल्टी–स्टारर फिल्म में अर्जुन रामपाल और रानी मुखर्जी समेत कई बड़े नाम शामिल हैं।

हॉरर-थ्रिलर हुई रजनीश दुग्गल सुपरनैचुरल की वापसी

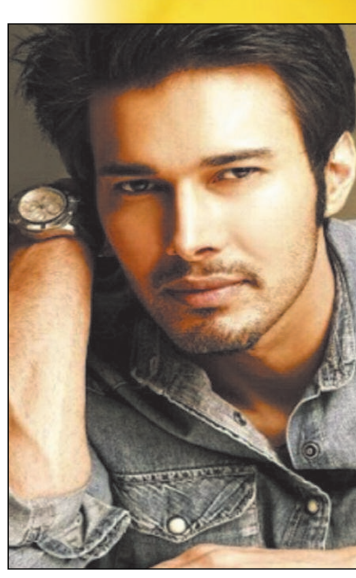

अपकमिंग बॉलीवुड हॉरर फिल्म का फर्स्ट–लुक पोस्टर आ गया है और इसे देखकर आपके रोंगटे जरूर खड़े हो जाएंगे। फिल्म को ज्योति राज गवाली प्रोड्यूस कर रही हैं। वहीं राज गवाली को–प्रोड्यूसर हैं और निर्देशन की कमान सौरभ चौबे ने संभाली है।

पोस्टर ने बढ़ाई धड़कनें

पोस्टर में एक पुरानी, आधी खुली लकड़ी की अलमारी से एक रहस्यमयी महिला बाहर आती दिखाई दे रही है। अलमारी के अंदर से निकलती लाल रोशनी उसके खून से सने सफेद गाउन को और डरावना बना रही है। चारों ओर धुआं, गहरे साए और खौफ का माहौल, पूरा सीन किसी डरावने सपने जैसा लगता है। लाल रंग में लिखा फिल्म का टाइटल ‘द वॉर्डरोब’ अंधेरे बैकग्राउंड पर और भी डरावना एहसास दे रहा है।

अनुराग कश्यप ने ‘निशांची’ को बताया ‘सिनर्स’ से बेहतर

निर्माता-निर्देशक व अभिनेता अनुराग कश्यप इन दिनों अपनी आगामी फिल्म ‘कैनेडी’ को लेकर चर्चाओं में हैं। इस बीच अनुराग कश्यप ने अपनी पिछली फिल्म ‘निशांची’ को बनाने पर गर्व जताते हुए इसके स्पेशल इफेक्ट्स को हॉलीवुड फिल्म ‘सिनर्स’ से भी बेहतर बताया है। ‘निशांची’ दो भागों में बंटी एक क्राइम ड्रामा है, जिसमें कानपुर में रहने वाले जुड़वां भाइयों बबलू और डब्लू की कहानी है।

अनुराग ने स्पेशल इफेक्ट्स के लिए की रेड चिलीज की तारीफ

बातचीत के दौरान अनुराग ने कहा कि अन्य फिल्म निर्माताओं के साथ काम करते हुए, मैं काम करने की एक नई शैली देख रहा हूं। यह शैली आ रही है और दक्षिण में हर जगह देखने को मिल रही है। वे वहीं पर शूटिंग और एडिटिंग करते हैं। वे एक दिन में एक ही सीन शूट करते हैं और शॉट्स नहीं लेते। मेरे लिए स्पेशल इफेक्ट्स के साथ ‘निशांची’ के दोनों भाग, जिनमें अभिनेता ने दो अलग–अलग तरह की दोहरी भूमिका निभाई है – जिस पर मुझे बहुत गर्व है। स्पेशल इफेक्ट्स के मामले में सिल्वेस्टर और रेड चिलीज ने जो उपलब्धि हासिल की है, वो वाकई कमाल है। मैं गर्व से कह सकता हूं कि यह ‘सिनर्स’ से भी बेहतर है। वे सचमुच दो अलग–अलग लोग हैं और हमने दो महीने के अंतराल पर शूटिंग की। ऐसा नहीं था कि आप कपड़े बदलकर आ गए हों। यह सब वास्तविक था।

ऑस्कर में ‘सिनर्स’ ने हासिल किए रिकॉर्ड नॉमिनेशन

हॉलीवुड फिल्म ‘सिनर्स’ में माइकल बी जॉर्डन ने दोहरी भूमिका निभाई है, जिसमें उन्होंने जुड़वां भाइयों एलिजा स्मोक मूर और एलियास स्टैक मूर का किरदार निभाया है। इस फिल्म में अपने अभिनय के लिए अभिनेता को अपना पहला ऑस्कर नामांकन मिला। रयान कूगलर द्वारा निर्देशित ‘सिनर्स’ ने 98वें ऑस्कर पुरस्कार समारोह में रिकॉर्ड तोड़ 16 नामांकन हासिल करके इतिहास रच दिया, जो किसी एक फिल्म के लिए अब तक का सबसे अधिक नामांकन है।

ऐसी है ‘निशांची’ की कहानी

अनुराग कश्यप द्वारा निर्देशित ‘निशांची’ पिछले साल दो भागों में रिलीज हुई थी। इस क्राइम ड्रामा की कहानी कानपुर में रहने वाले दो भाइयों बबलू और डब्लू के ऊपर आधारित है। फिल्म का पहला पार्ट सिनेमाघरों में रिलीज हुआ था, जिसे क्रिटिक्स से तो अच्छा रिस्पॉन्स मिला, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर फिल्म कुछ खास प्रदर्शन नहीं कर पाई। इसके बाद दूसरा पार्ट मेकर्स ने सीधे ओटीटी पर रिलीज किया था। इस फिल्म में ऐश्वर्य ठाकरे दोहरी भूमिका में नजर आए हैं।

20 फरवरी को रिलीज हुई है ‘कैनेडी’

अनुराग कश्यप इन दिनों अपनी आगामी फिल्म ‘केनेडी’ के प्रमोशन में व्यस्त हैं। यह फिल्म 20 फरवरी को ओटीटी प्लेटफॉर्म जी5 पर रिलीज हुई है। इससे पहले फिल्म का प्रीमियर 2023 में कान फिल्म फेस्टिवल में हुआ था। जहां इसे काफी सराहना मिली थी। इसके अलावा भी कई फिल्म फेस्टिवल में फिल्म को काफी सराहा गया है। और इसे सात मिनट तक स्टैंडिंग ओवेशन मिला था। मेलबर्न इंडियन ‘कैनेडी’ में राहुल भट्ट और सनी लियोन प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक-अनुज कुमार, R.N.I. No.-UPHIN/2023/86483, मो0.945688 4327, E-mail-officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।